

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 18 अंक - 21 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 02 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-





राज्योत्सव के दूसरे दिन भी होगा लोककला और शास्त्रीय नृत्यों का अनूठा संगम



रायपुर। राज्योत्सव के मुख्य मंच के साथ ही शिल्पग्राम में 2 नवंबर को छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और भारतीय शास्त्रीय कलाओं की अनुपम छटा देखने को मिलेगी। श्रीमती प्रसन्ना अवस्थी लोकसंगीत एवं नृत्य की प्रस्तुति देंगी। सुश्री सुष्मिता दास ओडिसी नृत्य प्रस्तुत करेंगी। दुर्ग की सुश्री समप्रिया पूजा निषाद पंडवानी गायन परंपरा को मंच पर जीवंत करेंगी। बिलासपुर के अंकित निर्मलकर सूफी, गजल एवं सुगम गायन की प्रस्तुति देंगे। गरियाबंद की सुश्री मिलवंतीन बाई पारंपरिक सुआ नृत्य की मनमोहक झलक प्रस्तुत करेंगी। रायपुर की सुश्री मेघा बोस ताम्रकार पारंपरिक लोकसंगीत से दर्शकों को परिचित कराएंगी। सुश्री आंचल पाण्डेय कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगी। धमतरी की सुश्री रुखमनी दीवान छत्तीसगढ़ी लोकजीवन और परंपराओं को अभिव्यक्त करेंगी। आदित्य मिश्रा बैंड की संगीतमय प्रस्तुति देंगे। श्रीमती विनीता त्रिपाठी कथक नृत्य और तेजराम साहू लोकमंच प्रस्तुत करेंगे।

फ्लोरिडा में बिजनेस जेट क्रैश : सभी 9 सवारों की मौत

फ्लोरिडा। दक्षिणी फ्लोरिडा में बहामास के लिए उड़ान भरने वाला एक निजी बिजनेस जेट 'लियरजेट-60' तकनीकी खराबी के चलते अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा। विमान में तुरंत भीषण आग लग गई और चारों तरफ घना काला धुआं फैल गया। इस भयावह दुर्घटना में विमान में सवार सभी नौ लोगों की मौके पर ही जान चली गई। अमेरिकी विमानन एजेंसियां अब हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने में जुट गई हैं। विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था।

चक्रवात अर्नब के बाद अब बजा 'युद्ध का नगाड़ा', 10 फ्लाइट कैंसल, चेन्नई में भारी बारिश, स्कूल बंद

चेन्नई/विजयवाड़ा (ए.)। चक्रवात अर्नब के बाद अब दक्षिण भारत 'मुरासु' की चपेट में है। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवात मुरासु आंध्र प्रदेश के तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह आज रात 11:30 बजे से 4 बजे के बीच ओंगोल के पास तट से टकरा सकता है। 'मुरासु' युद्ध के नगाड़े को कहते हैं। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान है। सोमवार सुबह 5:30 बजे चक्रवात चेन्नई से 200 और नेल्लोर से 210 किलोमीटर दूर था। यह 25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा था।

एनडीआरएफ तैनात, उड़ानें रद

चक्रवात का असर तटीय इलाकों में दिखने लगा है। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर स्थित मयपाडु बीच पर ऊंची लहरें उठ रही हैं और तेज हवाएं चल रही हैं। राज्य में एनडीआरएफ की तीन टीमें तैनात की गई हैं। वहीं विजयवाड़ा एयरपोर्ट पर



10 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

तमिलनाडु के चेन्नई, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में रविवार रात से भारी बारिश हो रही है। चेन्नई में कई सड़कें जलमग्न हैं और स्कूल बंद कर दिए गए हैं। आंध्र के बापटला, कृष्णा और प्रकाशम जिलों में चक्रवात का सबसे ज्यादा असर पड़ने की आशंका है।

ओडिशा के पुरी जिले में चक्रवात के कारण भारी बारिश हो रही है। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा शहर में घने बादल छाए हुए हैं। नेल्लोर के मयपाडु बीच पर समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। तमिलनाडु के पझावेर्कांडु में समुद्र में करीब 6 फीट ऊंची लहरें उठ रही हैं।

मुरासु मतलब 'युद्ध का नगाड़ा'

चक्रवात मुरासु का नाम भारत ने दिया है। तमिल में मुरासु का अर्थ 'युद्ध का नगाड़ा' होता है। मुरासु ने 1 नवंबर को बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का रूप लिया था। 24 घंटे के भीतर यह गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया।

सीबीआई की बड़ी सफलता

महादेव सट्टा के मुख्य आरोपी सौरभ को लेकर सीबीआई टीम पहुंची दिल्ली

8 जुलाई को ओमान की रॉयल पुलिस ने किया था गिरफ्तार, पहचान बदलकर किया था प्रवेश

नई दिल्ली (ए.)। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले के मुख्य आरोपी और प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने उसे ओमान में पकड़ा और प्रत्यर्पण के बाद भारत लाया गया। सीबीआई की टीम पहले उसे दिल्ली की अदालत में पेश करेगी। वहां से ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद उसे रायपुर लाया जा सकता है, जहां स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेश किया जाएगा।



महादेव सट्टा ऐप से जुड़े मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस मामले से जुड़ी 13 एफआईआर जांच के लिए सीबीआई को सौंपी थीं। इसके अलावा ईडी ने भी उसके खिलाफ अभियोजन शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल की है।

गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने कथित तौर पर फर्जी पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल किया और यूएई से ओमान पहुंच गया। कथित फर्जी पासपोर्ट में जन्मतिथि भी दूसरे दस्तावेजों से अलग थी। खुफिया जानकारी और रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर 8 जुलाई 2026 को ओमान की रॉयल पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

इसके बाद सीबीआई और ईडी ने भारत सरकार के जरिए ओमान को प्रत्यर्पण का औपचारिक प्रस्ताव भेजा और सबूत सौंपे। भारत सरकार की एजेंसियों, इंटरपोल और ओमान के अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद प्रत्यर्पण को मंजूरी मिली। इसके बाद सीबीआई की टीम मस्कट पहुंची और 1 नवंबर को उसे भारत लेकर आई।

गिरफ्तारी से बढ़ी धड़कनें

महादेव बेटिंग ऐप के चक्कर में हजारों लोग बर्बाद हुए हैं। सौरभ चंद्राकर ने इसके जरिए अरबों रुपए कमाए हैं। उसकी गिरफ्तारी से कई बड़े लोगों की धड़कनें बढ़ गई हैं जो इसमें उसका साथ देते थे।

सौरभ चंद्राकर ने मीडिया को दिया 'पुष्पा' वाला पोज

सौरभ चंद्राकर को जांच एजेंसी की टीम प्रत्यारोपण के बाद दिल्ली स्थित सीबीआई हेडक्वार्टर लेकर पहुंची थी। इस दौरान मौके पर कवरेज के लिए गए पत्रकारों ने उससे सवाल पूछना शुरू कर दिया। कैमरे का फोकस देखकर सौरभ चंद्राकर ने कैमरे के सामने पुष्पा का पोज दिया है कि झुकेगा नहीं...। इसके बाद वह मुस्कुराता रहा। सीबीआई की टीम फिर से अंदर लेकर चली गई।



सौरभ से प्रोटेक्शन मनी लेने वालों के नाम आएंगे सामने : साय



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी पर सीबीआई को बधाई दी और कहा कि प्रोटेक्शन मनी किन-किन लोगों तक पहुंचती थी, इसका बड़ा खुलासा होगा।

इंटरपोल ने भी जारी किया था रेड कॉर्नर नोटिस : सीबीआई



सीबीआई के मुताबिक, महादेव सट्टा नेटवर्क की जांच शुरू होने के बाद से ही सौरभ चंद्राकर फरार था। वह 2023 से दुबई में रह रहा था और उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था।

वंदे भारत से भी तेज निकली वैगई एक्सप्रेस! दो घंटे पहले पूरा किया 430 किमी का सफर

नई दिल्ली (ए.)। देश की सबसे तेज मानी जाने वाली ट्रेन वंदे भारत को 49 साल पुरानी एक ट्रेन ने यात्रा समय के मामले में पीछे छोड़ दिया है। दरअसल, हाल ही में दक्षिण भारत में चलने वाली वैगई एक्सप्रेस ने चेन्नई से मदुरै का सफर अपने तय समय से करीब दो घंटे पहले ही पूरा कर लिया।

इस दौरान उसने वंदे भारत के 110 किलोमीटर प्रति घंटे के यात्रा समय की बराबरी कर ली। दक्षिण भारत की चर्चित ऐतिहासिक नदी वैगई के नाम वाली इस ट्रेन ने यह यात्रा तब रिकॉर्ड समय में पूरी की, जब वह चेन्नई स्टेशन से देरी से रवाना हुई थी। वैगई एक्सप्रेस सेवा 1977 से चेन्नई और मदुरै के बीच चल रही है। 2019 में इसमें आधुनिक रूाक्रकोच भी जोड़े गए।

द इकनॉमिक टाइम्स की एक खबर के अनुसार, 24 अक्टूबर को वैगई एक्सप्रेस ने वंदे भारत के यात्रा समय की बराबरी कर



ली, जबकि वंदे भारत ने इस रूट पर सितंबर 2023 में ही चलना शुरू किया था। वैगई चेन्नई एग्मोर से 10 मिनट की देरी से रवाना हुई। इसके बाद, कोडमबक्कम के पास ट्रैक के रखरखाव (मेंटेनेंस) के कारण इसे लगभग 20 मिनट और देरी का सामना करना पड़ा। इन सबके बावजूद, ट्रेन ने चेंगलपट्टू से मदुरै तक की 430 किलोमीटर की दूरी सिर्फ 5 घंटे 35 मिनट में तय कर ली। यह इसके सामान्य समय, यानी 7 घंटे 35 मिनट से पूरे दो घंटे कम है।

रामलीला मैदान में रैली से 11 हजार करोड़ के नुकसान का दावा

नई दिल्ली। रामलीला मैदान में 1 नवंबर को राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की रैली हुई थी। व्यापारी संगठनों ने दावा किया है कि उन्हें इस रैली से करीब 11 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री और अन्य व्यापारी संगठनों के अनुसार दिवाली के ठीक पहले हुई इस रैली और सुरक्षा-यातायात प्रतिबंधों के चलते दिल्ली के 20 बड़े बाजारों में लगभग 2.5 लाख दुकानें बंद रहीं। सीटीआई ने इससे व्यापारियों को करीब 11 हजार करोड़ रुपए तक के कारोबार का नुकसान होने का दावा किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने राहुल गांधी को इस संबंध में चार बार चिट्ठी लिखा था।

अगले साल सरकारी दफ्तरों में मौज, 365 में से 124 दिन रहेगी छुट्टी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी अफसरों और कर्मियों खासकर वे, जो दफ्तरों में बैठकर काम करते हैं, उनके लिए नया साल 2027 मौज वाला होने जा रहा है। दरअसल, उन्हें कुल 124 दिन छुट्टी मिलेगी। इसमें घोषित सामान्य अवकाश के साथ शनिवार और रविवार की छुट्टियां शामिल हैं। राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2027 के लिए सरकारी कार्यालयों में सामान्य और ऐच्छिक अवकाश की सूची जारी कर दी है। सामान्य अवकाश की सूची में 25 छुट्टियां शामिल हैं। इनमें से पांच छुट्टियां शनिवार को पड़ रही हैं, जो पांच दिवसीय कार्य सप्ताह के कारण पहले से ही अवकाश के दिन हैं। शनिवार और रविवार को नियमित अवकाश मानने पर साल के 365 दिनों में 104 दिन सप्ताहांत के कारण कार्यालय बंद रहेंगे। सामान्य अवकाश की सूची में शामिल पांच छुट्टियां शनिवार को पड़ रही हैं, इस कारण 25 घोषित सामान्य अवकाशों में से 20 छुट्टियां ही नियमित कार्य दिवसों को प्रभावित करेंगी। इस तरह 261 कार्यदिवसों में से 20 दिन घटाने पर सरकारी कार्यालयों में कामकाज के लिए 241 दिन बचेंगे।

26 साल

राज्योत्सव के मंच पर शास्त्रीय के साथ-साथ लोक कला का अनूठा संगम, पंडवानी और ढोलामारू की भी सुन्दर प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव मेला मैदान का शिल्पग्राम मंच रविवार को लोककला, संगीत और नृत्य के अद्भुत संगम का साक्षी बना। कहीं लोकगीतों की सुरीली तान गूंजी, तो कहीं पंडवानी की ओजस्वी कथा ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया।

गिटार की मधुर धुनों, फ्यूजन बैंड की आधुनिक संगीत शैली और शास्त्रीय नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों ने राज्योत्सव के उल्लास को दोगुना कर दिया। विभिन्न विधाओं के कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं की खूबसूरत छटा बिखेरी। राज्योत्सव के अंतर्गत शिल्पग्राम मंच पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से उत्सव में चार चांद लगा दिए। पारंपरिक लोककला और आधुनिक संगीत का यह अनूठा संगम राज्योत्सव के विशेष आकर्षणों में शामिल रहा।





लोकगाथा पंडवानी की प्रस्तुति राज्योत्सव के प्रमुख आकर्षणों में रही। दुर्ग के चेतन देवांगन और रायपुर की सुश्री दुर्गा साहू ने पंडवानी की प्रभावशाली प्रस्तुतियां देकर छत्तीसगढ़ की समृद्ध वाचिक परंपरा को मंच पर साकार किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रायपुर के शिवेन्द्र मण्डावी ने लोकसंगीत एवं गिटार वादन की प्रस्तुति दी। रायपुर के राजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में रिदम ट्विंस बैंड तथा संतोष कुमार सिन्हा के फ्यूजन बैंड की प्रस्तुतियों ने संगीत की आधुनिक शैलियों से दर्शकों को रूबरू कराया। पारंपरिक और आधुनिक संगीत के इस मेल ने शिल्पग्राम मंच को सुरों और तालों से सराबोर कर दिया।

सुश्री अनुप्रिया सुल्ताना ने शास्त्रीय नृत्य की आकर्षक



प्रस्तुति से भारतीय नृत्य परंपरा की सुंदरता को मंच पर साकार किया। नृत्य की भावपूर्ण मुद्राओं, लयबद्ध पदचाप और कलात्मक अभिव्यक्ति ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। दुर्ग की श्रीमती रजनी रजक ने लोकमंच एवं ढोलामारू की प्रस्तुति के माध्यम से लोकजीवन की भावनाओं और पारंपरिक कथाओं को जीवंत किया।

वहीं बिलासपुर की कुमारी वंदिता साहू ने लोकसंगीत की मधुर प्रस्तुति दी। सुश्री पायल साहू ने लोकमंच के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लोककला के विविध रंग बिखेरे।



राज्योत्सव की पहली शाम बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छल के नाम रही। रविवार को उद्घाटन समारोह के बाद उन्होंने मुख्य मंच पर अपनी प्रस्तुति दी। पलक को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मंच पर आते ही दर्शकों ने तालियों और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। पलक ने फिल्म 'एमएस धोनी' का लोकप्रिय गाना 'कौन तुझे यूं प्यार करेगा' गाकर प्रस्तुति की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'आशिकी-2' के 'चाहूं मैं या ना' और 'मेरी आशिकी' जैसे गाने सुनाए। उनकी आवाज में इन गानों को सुनकर दर्शक भी साथ-साथ गुनगुनाते नजर आए। कॉन्सर्ट के दौरान युवाओं ने मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर उनका उत्साह बढ़ाया।



संपादकीय

क्रूर होती मासूमियत

घातक हिंसक खेलों से उपजी संवेदनहीनता

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को क्रूरता के साथ पीटता-कुचलता नजर आया। पंचकूला के एक निजी स्कूल में घटी इस घटना ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। स्कूली छात्रों में नोक-झोंक, वाद-विवाद, मतभेद-मनभेद हमेशा होते रहे हैं। ऐसे में टीचर या अभिभावक तक शिकायत करके बात खत्म हो जाती थी। लेकिन यह आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति-नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया। बच्चे ने इस हमले को सुनियोजित तरीके से, समय-जगह का चुनाव करके अंजाम दिया। वह समय चुना जब उसके अपराध को देखने वाला कोई नहीं था। विज्ञान का धन्यवाद, जिसने सीसीटीवी कैमरा हमें उपलब्ध कराया। अन्यथा कोई विश्वास नहीं करता कि इतना छोटा बच्चा एक पेशेवर अपराधी की तरह वारदात को अंजाम देगा। हो सकता था रिकॉर्डिंग न होने पर किसी निर्दोष के सिर इस हमले का आरोप लग जाता। निस्संदेह, इस हादसे में स्कूल प्रशासन की गंभीर चूक है। आखिर स्कूल से अंतिम बच्चे के बाहर निकलने तक सुरक्षा की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभायी गई? अब स्कूल पढ़ने जा रही छोटी बच्चियों व बच्चों के मां-बाप इस घटना से भयाक्रांत हैं कि क्या उनका बच्चा स्कूल में सुरक्षित है? शिक्षकों को भी इस बात को गंभीरता से समझना होगा कि बदलते दौर में बच्चे पहले जैसे नहीं रहे। शिक्षक-अभिभावक से ज्यादा उन्हें आज जो सबसे ज्यादा ज्ञान बांट रहा है, वह मोबाइल है। जो तमाम तरह की हिंसा सिखाने का स्रोत बन गया है।

> “ आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति-नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया। बच्चे ने इस हमले को सुनियोजित तरीके से, समय-जगह का चुनाव करके अंजाम दिया। वह समय चुना जब उसके अपराध को देखने वाला कोई नहीं था। विज्ञान का धन्यवाद, जिसने सीसीटीवी कैमरा हमें उपलब्ध कराया। अन्यथा कोई विश्वास नहीं करता कि इतना छोटा बच्चा एक पेशेवर अपराधी की तरह वारदात को अंजाम देगा। हो सकता था रिकॉर्डिंग न होने पर किसी निर्दोष के सिर इस हमले का आरोप लग जाता। निस्संदेह, इस हादसे में स्कूल प्रशासन की गंभीर चूक है।

इस घटना के बाद, इस आठ साल के छात्र की क्रूर व्यवहार की वजह उसका मोबाइल पर हिंसक फ्री-फायर गेम खेलना बताया जा रहा है। जो एक ऑनलाइन एक्शन व शूटिंग आधारित गेम है। जिसमें खिलाड़ी हथियार, गोलियों और अन्य घातक साधनों से प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करते हैं। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि बच्चों को छोटी उम्र में मोबाइल उपलब्ध कराने के घातक परिणाम भी हो सकते हैं। आमतौर पर अभिभावक अपने काम करने या आराम करने के दौरान बच्चों को बहलाने के लिये मोबाइल पकड़ा देते हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाले हिंसक कार्यक्रम बच्चों को कितने गहरे तक प्रभावित करते हैं।

बच्चे का दिमाग एक कोरी स्लेट की तरह से होता है। उस पर जैसी छाप बचपन में पड़ती है, वही भविष्य में उसकी सोच व जीवन की दिशा निर्धारित करती है। जिस पश्चिमी संस्कृति व जीवन शैली पर आधारित गेम्स का इन दिनों मोबाइल पर प्रचलन है, वे बच्चों को संवेदनहीन और निर्मम बना रहे हैं। बच्चों में लगातार अधैर्य, अशांति व आक्रामकता बढ़ रही है। बच्चों को ये लगता है कि व्यावहारिक जीवन में भी ऐसा ही व्यवहार सामान्य बात है। बच्चों के व्यवहार में आ रहा यह बदलाव एक घातक संकेत है। हमारे नीति-नियंताओं और शिक्षकों-अभिभावकों को सजग-सतर्क होकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना होगा।

छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती के बाद आत्ममंथन का वक्त



मनोज शुक्ला

छत्तीसगढ़ 26 साल का हो गया... लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जवान हुआ है या जवानी से पहले ही बूढ़ा हो गया मेरा छत्तीसगढ़ ? 1 नवंबर स्थापना दिवस है इसलिए अपने आप को लिखने से नहीं रोक पाया? राज्य गठन की रजत जयंती के बाद अब आत्ममंथन का समय है... उत्सव के शोर में अपनी बदहाली की आवाज मत दबाइए! किसी परिवार का 26 साल का बेटा यदि नशे में डूब जाए, काम-धंधे से विमुख होकर निठल्ला बैठ जाए, मां-बाप की जिम्मेदारियां भूल जाए, अपने संस्कार और चरित्र खोने लगे और अंतत: अपने पुरखों की अर्जित संपत्ति बेचकर जीवन चलाने लगे, तो उस परिवार के माता-पिता के मन पर क्या बीतेगी? क्या वे बेटे की उम्र के 26 वर्ष पूरे होने पर जश्न मनाएंगे या उसके भविष्य की चिंता में रातभर जागेंगे?

1 नवंबर को मेरा छत्तीसगढ़ भी 26 वर्ष का युवा हो जाएगा। ठीक उसी तरह जैसे किसी मां-बाप को अपने जवान बेटे से बड़ी उम्मीदें होती हैं, वैसे ही छत्तीसगढ़ की ढाई करोड़ जनता ने भी अपने नवगठित राज्य से उम्मीदों के असंख्य दीप जलाए थे। देश के महान जननेता, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने बड़ी संवेदनशीलता, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया था। उनका सपना केवल एक नया राज्य बनाना नहीं था। उनका सपना था कि छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक संपदा, सांस्कृतिक विरासत और मेहनतकश जनता के सामर्थ्य से देश के विकसित राज्यों की कतार में खड़ा हो।

यहां के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, युवाओं को रोजगार मिले, किसानों को उनकी मेहनत का सम्मान और उचित मूल्य मिले, गरीबों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, गांवों तक अच्छी सड़कें पहुंचें और छत्तीसगढ़ का वैभव उसकी जनता के जीवन में दिखाई दे। लेकिन आज 26 वर्ष बाद जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो मन में उत्सव से अधिक प्रश्न उठते हैं। आत्मसंतोष से अधिक आत्मचिंतन की आवश्यकता महसूस होती है। राज्य तो जवान हो गया, लेकिन क्या उसकी व्यवस्था भी जवान हुई? क्या उसके सपने पूरे हुए? या फिर हम अपने ही बनाए विकास के विज्ञापनों में वास्तविक छत्तीसगढ़ को कहीं खो बैठे हैं? 26 साल में विकास की इमारतें खड़ी हुईं, लेकिन समाज की नींव कितनी मजबूत हुई? इन 26 वर्षों में सरकारें बदलीं, मुख्यमंत्री बदले, मंत्री बदले, अधिकारी बदले, राजनीतिक समीकरण बदले। बजट का आकार बढ़ा, योजनाओं की संख्या बढ़ी, विभागों का विस्तार हुआ, जिलों और तहसीलों की संख्या बढ़ी। विकास के नाम पर हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए।

ऊंची-ऊंची इमारतें बनीं, चौड़ी सड़कें बनीं, बड़े-बड़े भवन बने, संस्थान खुले। लेकिन सवाल यह है कि क्या विकास केवल सीमेंट, कंक्रीट, लोहे और उद्घाटन के पत्थरों का नाम है? जो सड़कें बनीं, क्या उनका रखरखाव हुआ? जो भवन बने, क्या उनका समुचित उपयोग हो रहा है? जो संस्थान खुले, क्या वे गुणवत्तापूर्ण सेवाएं दे रहे हैं? जो योजनाएं बनीं, क्या उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा? उद्घाटन के लिए फीते काटने वाले बहुत मिल जाएंगे, लेकिन उद्घाटन के बाद उस संपत्ति की जिम्मेदारी लेने वाला कौन है? आज हमारी सबसे बड़ी विडंबना यही है कि निर्माण को उपलब्धि और रखरखाव को अनावश्यक काम समझ लिया गया है। विकास की चमकदार तस्वीरों के पीछे जवाबदेही का अंधेरा लगातार गहराता जा रहा है।

शराब और नशे में डूबती युवा पीढ़ी : यह कैसी जवानी है? जिस छत्तीसगढ़ की पहचान कभी शांति, सरलता, सद्भाव और सामाजिक समरसता से होती थी, वहां आज शराबखोरी और सूखे नशे की बढ़ती समस्या गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। गांवों से शहरों तक नशे की पहुंच, युवाओं का इसकी गिरफ्त में आना, परिवारों का बिखरना और अपराध की घटनाओं को लेकर उठते सवाल किसी भी संवेदनशील समाज को विचलित करने के लिए पर्याप्त हैं। जिस उम्र में युवाओं के हाथों में रोजगार के अवसर, हुनर और भविष्य की योजनाएं होनी चाहिए, उस उम्र में नशे की समस्या से जूझती पीढ़ी दिखाई दे तो इसे केवल व्यक्तिगत कमजोरी कहकर पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता।

यह सामाजिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी का भी प्रश्न है। शराब से राजस्व कितना आया, इसकी गणना करने वाले बहुत हैं। लेकिन शराब और नशे के कारण कितने परिवारों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति बिगड़ी, कितने युवाओं की संभावनाएं प्रभावित हुईं, इसका हिसाब कौन रखता है? सरकार की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जा सकती कि सरकारी खजाने में कितना राजस्व आया, बल्कि इस बात से भी मापी जानी चाहिए कि समाज ने उसकी कीमत कितनी चुकाई।

शिक्षा : डिग्रियों की दुकानें बढ़ीं, पर आज ज्ञान का स्तर कहां पहुंचा छत्तीसगढ़ में विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी, मेडिकल कॉलेज खुले, इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित हुए, निजी शिक्षण संस्थानों की कतार लग गई। यह निश्चित रूप से विस्तार है, लेकिन क्या यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण भी है? क्या हमारे विश्वविद्यालय शोध, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता के राष्ट्रीय मानक स्थापित कर रहे हैं? क्या हमारे मेडिकल और इंजीनियरिंग संस्थान देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने शिक्षा को ज्ञान और व्यक्तित्व निर्माण के बजाय डिग्री वितरण का कारोबार बना दिया है?

कॉलेजों की इमारतें खड़ी कर देना आसान है, लेकिन प्रतिभाशाली शिक्षक, शोध का वातावरण, प्रयोगशालाएं और शैक्षणिक अनुशासन तैयार करना कठिन है। आज आवश्यकता संस्थानों की संख्या गिनने की नहीं, उनकी गुणवत्ता का मूल्यांकन करने की है।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था : बीमारी से बड़ी चिंता इलाज के खर्च की हो गई! एक समय था जब गरीब आदमी बीमारी से लड़ता था, आज उसे बीमारी के साथ-साथ इलाज के खर्च से भी लड़ना पड़ता है। अस्पतालों में सुविधाओं की कमी, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, जांच और दवाइयों की व्यवस्था तथा निजी अस्पतालों में इलाज के खर्च को लेकर आम नागरिकों की शिकायतें लगातार सामने आती हैं।

सरकारी योजनाओं और स्वास्थ्य बजट के दावों के बावजूद यदि आम आदमी को बेहतर इलाज के लिए अपनी जमीन, जेवर और जमा पूंजी बेचनी पड़े तो हमें अपनी स्वास्थ्य व्यवस्था की सफलता पर पुनर्विचार करना ही होगा।अस्पतालों की संख्या बढ़ाना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन अस्पताल में समय पर डॉक्टर, दवा, जांच और संवेदनशील व्यवहार उपलब्ध होना वास्तविक उपलब्धि है।

हमर किसान के का हाल हे : धरती का बेटा अपनी ही जमीन पर बेबस क्यों? छत्तीसगढ़ की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की आत्मा किसान है।जिस राज्य की पहचान धान के कटोरे के रूप में रही हो, वहां किसान की आर्थिक और सामाजिक स्थिति सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए थी। लेकिन आज खेती की लागत, खाद, बीज, दवाइयों, मजदूरी और मौसम की अनिश्चितता से किसान जूझ रहा है। कभी अतिवृष्टि, कभी सूखा, कभी फसल की बीमारी और कभी बाजार की मार उसकी कमर तोड़ देती है।विडंबना देखिए, जिस किसान ने पीढ़ियों तक अपनी जमीन बचाकर रखी, आज उसी किसान के परिवार में जमीन बेचने की विवशता बढ़ती दिखाई देती है। किसान अपनी जमीन बेचता है तो केवल एक भूखंड नहीं बिकता, उसके साथ उसकी पीढ़ियों की स्मृतियां, उसकी पहचान, उसका स्वाभिमान और आने वाली पीढ़ियों की आजीविका का आधार भी कमजोर होता है। जिस दिन छत्तीसगढ़ का किसान अपनी जमीन से बेदखल होकर मजदूर बनने को विवश होगा, उस दिन हम केवल कृषि संकट नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा का संकट देख रहे होंगे।

क्या हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बेच रहे हैं? यह विषय सबसे अधिक गंभीरता से विचार करने योग्य है। आज सरकारी जमीनों के संरक्षण, आवंटन, उपयोग और कथित अनियमितताओं को लेकर अनेक सवाल उठ रहे हैं। सार्वजनिक उपयोग की जमीनों का भविष्य क्या है? कितनी जमीन स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, खेल मैदान, आंगनबाड़ी, उद्यान और सार्वजनिक सुविधाओं के लिए सुरक्षित रखी जा रही है? किसी भी सरकार के पास जमीन जनता की अमानत होती है। वह किसी सरकार, मंत्री, अधिकारी या किसी राजनेता ,समाज या राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होती। आज यदि सरकारी जमीनों का उपयोग पारदर्शिता और दूरदृष्टि के बिना किया गया तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। कल्पना कीजिए, दस वर्ष बाद किसी नई बस्ती में स्कूल खोलना हो, अस्पताल बनाना हो, कॉलेज स्थापित करना हो, बच्चों के लिए खेल मैदान बनाना हो या सार्वजनिक उद्यान विकसित करना हो, लेकिन हमारे पास जमीन ही न बचे तो क्या होगा? तब सरकारें योजनाओं की घोषणा तो करेंगी, लेकिन जमीन तलाशने के लिए दर-दर भटकेंगी। जमीन केवल आज की सरकार की जरूरत नहीं है, यह आने वाली पीढ़ियों का अधिकार भी है। छत्तीसगढ़ की भाषा और संस्कृति छत्तीसगढ़ बचा है या केवल नाम बचा है? सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि जिस छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी भाषा, लोकसंस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य, परंपराओं, खानपान और सहज जीवनशैली से थी, वही पहचान धीरे-धीरे कमजोर होती दिखाई दे रही है।

छत्तीसगढ़ी भाषा को वह सम्मान और संस्थागत स्थान आज भी नहीं मिल पाया, जिसकी वह वास्तविक अधिकारी है। दूसरी ओर आधुनिकता के नाम पर हमारी नई पीढ़ी अपनी लोकपरंपराओं, संस्कारों और सांस्कृतिक विरासत से दूर होती जा रही है। देश के अनेक राज्यों में अपनी मातृभाषा बोली आधारित प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। नई शिक्षा नीति भी मातृभाषा ,बोली में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करती है। लेकिन छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ी भाषा, हल्बी, गोड़ी सहित यह कि मूल बोलियों को शिक्षा, प्रशासन और सार्वजनिक जीवन में वह स्थान दिलाने के लिए जितनी इच्छाशक्ति दिखाई जानी चाहिए थी, वह कहां है? क्या छत्तीसगढ़ी केवल चुनावी मंचों पर भाषण देने, लोकगीत गाने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में तालियां बटोरने के लिए रह जाएगी?

क्या हमारी भाषा को केवल त्योहारों और आयोजनों की शोभा बनाकर छोड़ दिया जाएगा? याद रखिए, भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, वह किसी समाज की आत्मा और उसकी ऐतिहासिक स्मृति होती है। जिस दिन कोई समाज अपनी भाषा में सोचने, बोलने और अगली पीढ़ी को संस्कार देने में संकोच करने लगे, उस दिन उसकी सांस्कृतिक पराजय शुरू हो जाती है। आज जनता मालिक है या व्यवस्था की मोहताज? या प्रश्न हर व्यक्ति के जुबान पर है पर वह व्यक्त नहीं कर पा रहा है।

राज्य गठन के समय प्रशासनिक इकाइयां कम थीं। जिले कम थे, तहसीलें कम थीं, सरकारी कार्यालय कम थे। लेकिन आम आदमी को अपनी बात कहने, अधिकारी तक पहुंचने और छोटे-बड़े काम कराने के लिए इतनी जद्दोजहद नहीं करनी पड़ती थी, जैसी आज अनेक मामलों में दिखाई देती है।

आज व्यवस्था का विस्तार हुआ है, लेकिन क्या संवेदनशीलता का भी विस्तार हुआ है? क्या आम नागरिक सरकारी दफ्तरों में सम्मान के साथ अपनी बात रख सकता है? क्या उसे अपने छोटे-छोटे कामों के लिए महीनों चक्कर नहीं लगाने पड़ते? क्या सरकारी योजनाओं का लाभ बिना अनावश्यक परेशानी के मिल रहा है? प्रशासन का उद्देश्य जनता की सेवा करना है, जनता को अपने सामने झुकाना नहीं।

जब नागरिक अपनी ही सरकार के कार्यालय में असहाय महसूस करने लगे, जब शिकायत करने पर समाधान के बजाय उसे और परेशानियों का सामना करना पड़े, तब प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा आवश्यक हो जाती है। लोकतंत्र में अधिकारी जनता के सेवक हैं, जनता उनके अधीनस्थ नहीं। छत्तीसगढ़ में जंगल उजड़ रहे हैं, हरियाली के आंकड़े बढ़ रहे हैं! छत्तीसगढ़ की पहचान उसके जंगलों, नदियों, पहाड़ों और प्राकृतिक संपदा से रही है। हर साल वृक्षारोपण के बड़े-बड़े अभियान चलाए जाते हैं। पौधरोपण के फोटो आते हैं, आंकड़े जारी होते हैं, समारोह आयोजित होते हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि लगाए गए पौधों में से कितने जीवित हैं? कितने पेड़ बन पाए? कितने जंगल बचाए गए? पौधा लगाना एक दिन का कार्यक्रम है, उसे पेड़ बनाना वर्षों की जिम्मेदारी है।

हमारे जंगल केवल लकड़ी और खनिज के स्रोत नहीं हैं। वे आदिवासी समाज की आजीविका, जैव विविधता, जल स्रोतों और पर्यावरणीय संतुलन के आधार हैं। यदि विकास की कीमत जंगलों के विनाश और प्राकृतिक संसाधनों के असंतुलित दोहन से चुकाई जा रही है तो यह विकास नहीं, भविष्य के साथ समझौता है।

कभी अभाव थे, लेकिन संतोष था; आज साधन हैं, फिर भी सवाल हैं!

एक बार 26 वर्ष पीछे लौटकर देखिए।

उस समय हमारे पास संसाधन कम थे, लेकिन जो कुछ था, उसकी उपयोगिता और स्थायित्व अधिक महसूस होता था। सड़कें कम थीं, लेकिन कई सड़कें दशकों तक चलती थीं। पुलिस बल और थाने कम थे, लेकिन सामाजिक जीवन में शांति और सुरक्षा की भावना थी।

प्रशासनिक कार्यालय कम थे, लेकिन आम आदमी के भीतर व्यवस्था को लेकर इतना भय और असहायता नहीं थी।शराब की दुकानें और नशे का फैलाव आज की तरह सार्वजनिक चिंता का विषय नहीं थे। गांवों में किसान सीमित साधनों के बावजूद अपनी जमीन और खेती से जुड़ा रहता था। युवा बेरोजगार जरूर होते थे, लेकिन बहुत से युवा अपने पैतृक व्यवसाय, खेती-किसानी, छोटे-मोटे रोजगार और पारिवारिक कामों में हाथ बंटाते थे। उनके सामने संघर्ष था, लेकिन जीवन से जुड़ाव भी था। आज हमारे पास मोबाइल है, इंटरनेट है, बड़ी-बड़ी इमारतें हैं, आधुनिक साधन हैं, लेकिन क्या हमने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी, पारिवारिक संस्कार और सामुदायिक जीवन की मजबूती भी उतनी ही बढ़ाई है?

यह अतीत का अंधा महिमामंडन नहीं, बल्कि वर्तमान का आईना है। आखिर इन 26 वर्षों का हिसाब कौन देगा?

छत्तीसगढ़ में इन 26 वर्षों के दौरान अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें रहीं। हर सरकार ने अपनी उपलब्धियां गिनाईं, अपने विकास मॉडल का प्रचार किया और अपने कार्यकाल को ऐतिहासिक बताया। लेकिन जनता को केवल उपलब्धियों की पुस्तिका नहीं चाहिए, उसे वास्तविकता का हिसाब चाहिए। युवाओं को कितने स्थायी और गुणवत्तापूर्ण रोजगार मिले? शिक्षा की गुणवत्ता में कितना सुधार हुआ? स्वास्थ्य सुविधाएं कितनी सुलभ और किफायती हुईं? किसानों की वास्तविक आय और आर्थिक सुरक्षा कितनी बढ़ी? कितने जंगल बचे और वृक्षारोपण के कितने पौधे पेड़ बने? कितनी सार्वजनिक जमीन भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी गई?

आम आदमी की पहुंच में होना चाहिए इलाज

सुरेश सेठ

> गरीब मरीजों के पास मोल-भाव की क्षमता नहीं होती। इसलिए हर दवा को जेनेरिक बनाने, आवश्यक दवाओं की कीमतों पर प्रभावी सीमा तय करने और मरीजों को सस्ती चिकित्सा उपलब्ध कराने पर विचार होना चाहिए।



आज़ादी के बाद देश ने चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। निजी क्षेत्र की कई पांच सितारा अस्पताल श्रृंखलाएं विश्व के सर्वोत्तम चिकित्सा मानकों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। तभी विदेशों में समय पर और त्वरित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण विदेशी रोगी भी भारत में इलाज कराने के लिए आ रहे हैं। अब चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में एक नया आयाम उभर रहा है।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा क्षेत्र में सेवा और दवा की ऊंची कीमतों पर सवाल उठाए। दरअसल, भारत का सार्वजनिक चिकित्सा क्षेत्र अपनी विशेषज्ञता या उचित दवाओं की अनुपलब्धता के कारण प्रगति की राह से फिसल गया। मरीज निजी क्षेत्र के अस्पतालों में जाने के लिए मजबूर हो गए। यहां उपचार बहुत महंगा तो है लेकिन उचित और प्रभावी था। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ निजी अस्पतालों में भीड़ बढ़ने लगी।

सुप्रीम कोर्ट ने निजी अस्पतालों के कमरों के दैनिक किरायों पर आश्चर्यजनक वृद्धि पर चिंता जताई। साथ ही, न्यायपालिका ने उन मामलों को गंभीरता से लिया, जहां मरीज की मृत्यु के बाद भारी-भरकम बिल का भुगतान किए बिना अस्पताल द्वारा शव परिजनों को सौंपने में आनाकानी की जाती थी। न्यायालय ने ऐसी अमानवीय प्रथा पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के फार्मा उद्योग में दवाओं की ऊंची कीमतों को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने देश में कैंसर के उपचार और कीमोथेरैपी में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की ऊंची कीमतों पर कड़ी टिप्पणी की थी। न्यायालय का कहना था कि इतनी महंगी दवाएं गरीब मरीजों के साथ अन्याय के समान हैं।

अब सर्वोच्च न्यायालय ने दवाओं के एमआरपी और उनकी वास्तविक खुदरा कीमतों में भारी अंतर पर कड़ी नाराज़गी जताई है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक मामले में सवाल उठाया कि जिस दवा की कीमत खुदरा विक्रेता के लिए 15 रुपये है, वह मरीजों को 250 रुपये में क्यों बेची जा रही है। फिलहाल, दवाओं की ऊंची कीमतों और डॉक्टरों द्वारा सस्ती जेनेरिक दवाओं के बजाय महंगी दवाएं लिखे जाने से संबंधित दो याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आना है।

सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दवाओं की कीमतों का बचाव करते हुए कहा है कि फार्मा बाजार प्रतिस्पर्धी है। उद्योग के अस्तित्व तथा विकास को बनाए रखने के लिए कीमतों का एक निश्चित स्तर आवश्यक है। लेकिन न्यायपीठ इससे संतुष्ट नहीं हुई। जहां एक ओर सॉलिसिटर जनरल कह रहे थे कि सरकार दवा तंत्र को नियंत्रित नहीं करना चाहती और निजी क्षेत्र में हर क्षेत्र को अपना व्यापार करने की आजादी है। उन्होंने तर्क भी दिया कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया में सबसे कम हैं। लेकिन कोर्ट इससे संतुष्ट नहीं हुआ।

उल्लेखनीय है कि यदि दुनिया के अन्य देशों में दवाएं महंगी हैं, तो वहां की प्रति व्यक्ति आय को भी ध्यान में रखना होगा। सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी भी महत्वपूर्ण है कि यदि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया के मुकाबले कम हैं, तो क्या इसके आधार पर कंपनियों को मनमानी कीमतें तय करने की छूट दी जा सकती है? गरीब मरीजों के पास मोल-भाव की क्षमता नहीं होती। इसलिए हर दवा को जेनेरिक बनाने, आवश्यक दवाओं की कीमतों पर प्रभावी सीमा तय करने और मरीजों को सस्ती चिकित्सा उपलब्ध कराने पर विचार होना चाहिए।

आम तौर पर विकसित देशों में चिकित्सा दायित्व सरकारी क्षेत्र में होता है। वहां नाममात्र दाम पर चिकित्सा उपलब्ध हो जाती है इसलिए ऑस्ट्रेलिया हो, कनाडा या अमेरिका, मरीजों को शिकायत रहती है कि उन्हें तत्काल उपचार नहीं मिलता। लेकिन अधिक आर्थिक क्षमता के कारण देश में न केवल निजी चिकित्सा क्षेत्र पनपा है बल्कि उत्तरोत्तर महंगा हो गया है। देश के आम आदमी की जेब की पहुंच से बाहर हो रहा है।

समाधान के तौर पर सरकारी क्षेत्र को सुदृढ़ किया जाए। पंजाब में तो इस समय तक 1245 मोहल्ला क्लीनिक भी खोल दिए गए हैं। यहां उपचार, टैस्ट और शल्य चिकित्सा भी उपलब्ध है। लेकिन निजी क्षेत्र का विकल्प बनने के लिए इस क्षेत्र के विकास को अभी समय लगेगा। तो क्या देश का आम आदमी तब तक महंगा उपचार सहता रहेगा?

अगले साल पंजाब के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आप पार्टी सरकार ने आम आदमी क्लीनिक को अपनी उपलब्धि के तौर पर दर्शाया है। लेकिन सत्य के धरातल से देश की उपचार व्यवस्था को देखें तो यही लगता है कि इस क्षेत्र में अभी बहुत काम किया जाना बाकी है।

लेखक साहित्यकार हैं।

जहाज किसका, रानी किसकी

सदगुरु सबद जहाज है, कोई-कोई पावे भेद। बूंद-समंदर इक भया, किसका करूं निखेद॥ विशाल आकार की नौका के लिए हिन्दी में जहाज़ जैसा कोई अन्य शब्द उतना प्रचलित नहीं है। किसी विशालकाय वाहक की कल्पना आते ही सबसे पहले जहाज़ शब्द ही दिमाग़ में कौंधता है। फिर कौंधता है जहाज़ का पंछी। साथ ही याद आती है गुरु के लिए जहाज़ की कल्पना। जहाज़ शब्द मूलत: अरबी का है और इससे बने जहाज़ी, जहाज़रानी जैसे शब्द भी हिन्दी में प्रचलित हैं। प्रश्न था कि जहाज़ के साथ जो 'रानी' जुड़ा है, उसका आशय क्या सचमुच क्वीन से है! नहीं। अरबी समेत दुनिया की अनेक भाषाओं में जहाज़ का अर्थ विशाल परिवहन नौका है। यह बना है अरबी त्रिवर्णी क्रिया जहाज़ा यानी जीम-हा-ज़ा से। जो बात पकड़ में आती है, वह यह कि जहाज़ का मूलार्थ वाहन नहीं था। अरबी में नौका के लिए अनेक शब्द हैं। मसलन मरकब, दो, सफ़ीना, सुनबाक, ज़ौराक आदि अनेक शब्द पोत, नाव आदि के अर्थ में मौजूद हैं। जहाज़ का अर्थ जलयान रूढ़ हो जाने के बाद इससे अन्य शब्द और मुहावरे भी बने, जैसे जहाज़ी, जिसका अर्थ सामुद्रिक, जहाज़ सम्बन्धी, दरियाई अथवा नौवहन सम्बन्धी होता है। इसके अलावा जहाज़ी उस कार्मिक को भी कहते हैं, जो किसी न किसी तौर पर उसके परिचालन या अन्य व्यवस्थाओं से जुड़ा है, जैसे नाविक, खिवैया, मल्लाह, नौसैनिक आदि।

इसी कड़ी में आता है जहाजरां या जहाजरान। अरबी के जहाज़ में फ़ारसी का रान प्रत्यय जुड़ने से जहाज़रान यानी जहाज़ चलाने वाला के आशय वाला एक नया शब्द उसी तरह बना, जैसे जहाज़ी बना। अब करते हैं रानी पर चर्चा। फारसी में कर्ता के आशय वाले कुछ प्रत्यय हिन्दी में भी प्रचलित हैं, जैसे गर (कारीगर, जादूगर, बाज़ीगर आदि), दार (पहरेदार, ख़रीददार आदि)। इसी तरह एक सर्ग है रां अथवा रान। भाषाविदों का अनुमान है कि यह अवेस्ताई ह्रप या हर्प से बना है, जिसका रिश्ता संस्कृत की सृप/सर्प्से है। संस्कृत में सर्पति यानी धीरे-धीरे बढ़ना, फिसलना, रेंगना आदि।

फारसी 'रौ', 'रवा', 'रवानी' या 'रवानीगी' जैसे गतिवाची शब्द भी इसी कड़ी से जुड़े हैं। रौ में बहना, रवानी आना, रवा होना जैसे वाक्य-प्रयोग हिन्दी में खूब चलते हैं, जिनमें बात गति या चलन की है। इसीलिए किसी संज्ञा के साथ रानी प्रत्यय जुड़ता है, तो कर्ता का भाव पैदा हो जाता है, जैसे कामरान, हुक्मरान (हुक्मरां) आदि। हुक्मरान का अर्थ होता है आदेश देने वाला यानी शासक। इससे बनता है हुक्मरानी यानी शासन करना। इसी तर्ज़ पर जहाज़रान (जहाज़रां) का अर्थ होगा जहाज़ चलाने वाला। इससे बने जहाज़रानी का अर्थ होगा जहाज़ चलाना, संचालन करना, जल-परिवहन, नौवहन आदि।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार - विधायक चंद्राकर

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करना हमारी सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। चक्रवात 'अर्नब' के कारण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान को सरकार ने गंभीरता से लिया है। विधायक श्री चंद्राकर ने बताया कि प्रभावित किसानों को समय पर राहत उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के निर्देश पर सभी जिला कलेक्टरों को फसल क्षति का तत्काल सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं। सर्वेक्षण के आधार पर प्रभावित किसानों को आर.बी.सी. 6-4 के प्रावधानों एवं निर्धारित मानदंडों के अनुसार आवश्यक सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन को प्राथमिकता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में हमारी डबल इंजन की सरकार प्रत्येक प्रभावित किसान के साथ मजबूती से खड़ी है। किसानों की मेहनत और उनके हितों की रक्षा के लिए राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

गुरुकुल संस्था में नुक्कड़ नाटक एवं बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन

दुर्ग। गुरुकुल संस्था में दीपावली के पावन अवसर पर बच्चों की रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा एवं सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक एवं बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रदूषण मुक्त एवं पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का संदेश दिया। बच्चों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति के जरिए पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक किया तथा दीपों, खुशियों और सकारात्मकता के साथ दीपावली मनाने की अपील की।
वहीं, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में बच्चों ने अनुपयोगी एवं बेकार वस्तुओं से आकर्षक सजावटी सामग्री तैयार कर अपनी कल्पनाशीलता और कला-कौशल का परिचय दिया। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को पुनः उपयोग एवं पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया गया। संस्था का मुख्य उद्देश्य बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारना, उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सच्ची दीपावली वही है, जिसमें खुशियों के दीप जलें और पर्यावरण सुरक्षित रहे। इस अवसर में गुरुकुल के संस्थापक आशीष शर्मा, श्रीमती ममता टावरी ,संजय अग्रवाल , गीतिका शर्मा,गोपाल कृष्ण शर्मा, सम्मी चंद्राकर ,किशन माहेश्वरी, उपासना निर्मलकर,एवं अन्य गणमान्य सदस्यों के साथ बच्चे तथा उनके अभिभावक उपस्थित थे।

रिटेंशन लाइसेंसधारकों की समस्या का निराकरण कर विजय बघेल और प्रेम प्रकाश पांडेय ने 4 हजार परिवारों को दी बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। रिटेंशन लाइसेंसधारकों की लंबे समय से चली आ रही गंभीर समस्या के निराकरण में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय के सार्थक प्रयासों की भिलाई स्टील सिटी चेंबर ऑफकॉमर्स ने सराहना की है। चेंबर की ओर से कहा गया कि दोनों नेताओं ने इस समस्या को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाकर उसके समाधान की दिशा में प्रभावी पहल की, जिससे भिलाई के लगभग 4 हजार परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

चेंबर ने कहा कि रिटेंशन लाइसेंस का मामला लंबे समय से गंभीर रूप धारण कर चुका था। यह समस्या कैंसर की तरह फैलती जा रही थी और इसके चलते हजारों परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया था। बीएसपी प्रबंधन के अड़ियल रवैये के कारण रिटेंशन लाइसेंसधारक लगातार परेशान थे। अपनी समस्या के समाधान की मांग को लेकर प्रभावित परिवारों और लाइसेंसधारकों को हर सप्ताह बैठकें कर संघर्ष करना पड़ रहा था तथा समाधान का रास्ता तलाशना पड़ रहा था।

चेंबर के प्रतिनिधियों ने कहा कि सभी को विश्वास था कि सच्चाई की राह में भले ही देर हो सकती है, लेकिन अंततः समस्याओं का समाधान जरूर होता है। शुरुआत से ही सांसद विजय बघेल और प्रेम प्रकाश पांडेय की जोड़ी पर भरोसा था। दोनों नेताओं ने इस भरोसे को एक बार फिर अटूट साबित किया है। उनके प्रयासों से हजारों परिवारों को राहत मिलना एक बड़ी उपलब्धि है।

भिलाई स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स ने दोनों संघर्षशील नेताओं को इस जनहितकारी पहल के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही इस पूरे संघर्ष में निरंतर जुटे रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों और रिटेंशन लाइसेंसधारकों के धैर्य, एकजुटता और संघर्ष के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बीएसपी में कस्टमर मीट समारोह संपन्न

पारदर्शिता, डिजिटलीकरण एवं नैतिक व्यावसायिक कार्यप्रणाली पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विपणन एवं व्यवसाय नियोजन विभाग (एम एवं बीपी) द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर इस्पात भवन स्थित सभागार में कस्टमर मीट समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में डिफेक्टिव स्टील स्क्रैप, स्लैग, कोल केमिकल्स, पिग आयरन एवं कमर्शियल रेल्स के ग्राहक शामिल हुए। साथ ही विजिलेन्स वित्त, सी एवं आईटी, एमआरडी, स्टोर्स तथा भिलाई ग्रुप ऑफमाइंस के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक (मार्केटिंग) चैताली दास के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात सतर्कता विभाग के नेतृत्व में उपस्थित सभी लोगों ने सतर्कता प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) के. सी. मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) ए. के. मिश्रा , मुख्य महाप्रबंधक (राजहरा) चिंतला कांत, मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी) एच. के. सचदेव एवं महाप्रबंधक (विजिलेन्स) संदीप गुप्ता ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए. के. चक्रवर्ती ने अपने संबोधन में ग्राहक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ सभी व्यावसायिक लेन-देन में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा एवं वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन के महत्व पर जोर दिया।

महाप्रबंधक (मार्केटिंग) सु दीप्ति राज ने मार्केटिंग विभाग की प्रमुख गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने सेकेंडरी सेल्स को अधिकतम करने तथा परिचालन संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने विभाग द्वारा शुरू की गई विभिन्न डिजिटल पहलों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इन पहलों का उद्देश्य मानवीय त्रुटियों एवं कागजी कार्यवाही को कम करना, पारदर्शिता एवं संचार को बेहतर बनाना तथा ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है।

उप महाप्रबंधक (विजिलेन्स) नवनीत शर्मा ने सतर्कता विभाग के कार्यों, एंटी-ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम (एबीएमएस) तथा त्रैमासिक प्रिवेंटिव विजिलेंस कैम्पन के अंतर्गत 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक संचालित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। महाप्रबंधक (मार्केटिंग) शुभा बंछोर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कार्यक्रम का समन्वयन महाप्रबंधक (मार्केटिंग) सु चैताली दास, महाप्रबंधक (मार्केटिंग) पी. राजीव एवं महाप्रबंधक (मार्केटिंग) एस. एस. परिडा ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में सहायक महाप्रबंधक (मार्केटिंग) अजय तिवारी, उप प्रबंधक (मार्केटिंग) शैलेश दुबे, उप प्रबंधक (मार्केटिंग) मनोज कुमार सिंह एवं प्रशासनिक सहायक सु अंजनी द्विवेदी ने सक्रिय योगदान दिया।

इस ग्राहक मिलन समारोह ने ग्राहकों के साथ संवाद एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। साथ ही, इसने पारदर्शी व्यावसायिक प्रक्रियाओं, डिजिटल परिवर्तन, नैतिक आचरण तथा ग्राहकों के साथ सुदृढ़ संबंध स्थापित करने के प्रति भिलाई इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया।

छत्तीसगढ़ी साहित्य के पुरोधा पारकर को मिलेगा लाला जगदलपुरी राज्य अलंकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। छत्तीसगढ़ी भाषा, लोक संस्कृति और साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले वरिष्ठ साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर को राज्य सरकार द्वारा 'लाला जगदलपुरी राज्य अलंकरण' से सम्मानित किया जाएगा। राजधानी रायपुर में राज्य शासन की ओर से रविवार को इस आशय की घोषणा की गई। 3 नवंबर को राज्योत्सव के समापन अवसर पर उन्हें मुख्य अतिथि गृह मंत्री अमित शाह उन्हें राज्य अलंकरण से सम्मानित करेंगे।

आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में दिया जाने वाला यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल पारकर की बरसों की तपस्या का प्रतिफल है, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ी साहित्य जगत के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी को केवल लोक व्यवहार की बोली से उठाकर उच्च शिक्षा, शोध और अकादमिक मंचों पर स्थापित करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

पारकर जी का सबसे ऐतिहासिक योगदान पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में 'एम.ए. छत्तीसगढ़ी' पाठ्यक्रम प्रारंभ कराने की पहल रही है। इसी भगीरथ प्रयास के कारण उन्हें एम.ए. छत्तीसगढ़ी का 'प्रवर्तक' माना जाता है। उनकी कालजयी औपन्यासिक कृति 'बहू हाथ के पानी' को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर के स्नातकोत्तर (एम.ए.) पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, जो छत्तीसगढ़ी की अकादमिक स्वीकार्यता का सबसे बड़ा प्रमाण है। 11 मई 1961 को दुर्ग जिले के ग्राम बेलौदी (मालूद) में जन्मे दुर्गा प्रसाद पारकर ने साहित्य की विविध विधाओं में अपनी सृजनात्मकता का लोहा मनवाया है। लोक संस्कृति पर लिखी उनकी किताबें 'चिन्हारी' और 'जस-जंवारा' छत्तीसगढ़ की जीवनशैली और लोक आस्था का दर्पण हैं। नाटक के क्षेत्र में उन्होंने 'शिवनाथ', 'सुकवा', 'चंदा', 'सोनचिरई' और 'सुराजी गांव' जैसी कृतियों से लोक रंगमंच को समृद्ध किया।

न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी द्वारा जिला न्यायालय दुर्ग का वार्षिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति तथा जिला न्यायालय दुर्ग के पोर्टफोलियो जज माननीय न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रजिस्ट्रार विजिलेंस अब्दुल जाहिद कुरैशी भी उपस्थित रहे।
माननीय पोर्टफोलियो न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी एवं रजिस्ट्रार विजिलेंस अब्दुल जाहिद कुरैशी के दुर्ग आगमन पर जिला न्यायालय परिसर में उनकी गरिमामयी अगवानी की गई। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्रीमती सुमन एक्का, कलेक्टर अभिजीत सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने माननीय न्यायमूर्ति का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय व आदरपूर्ण स्वागत किया। माननीय न्यायमूर्ति द्वारा जिला न्यायालय के समस्त न्यायालयों, रिकॉर्ड रूम, प्रतिलिपि शाखा, स्थापना कार्यालय, नजारत तथा अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान न्यायालयीन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण तथा विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली का अवलोकन कर न्यायालय के सुचारु संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

हिमांशु देवांगन जेसीआई दुर्ग-भिलाई के अध्यक्ष पद पर हुए निर्वाचित

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। व्यक्तित्व विकास, जन सेवा एवं सामाजिक उत्थान की अग्रणी अंतरराष्ट्रीय संस्था जेसीआई दुर्ग-भिलाई के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से जेसी हिमांशु देवांगन निर्वाचित हुए। लेडी विंग चेयर पर्सन पर कल्पना देवांगन नियुक्त की गई।

क्रासरोड रेस्टोरेंट के सभागार में 01 नवंबर को जेसीआई दुर्ग-भिलाई का चुनाव संपन्न हुआ। सत्र 2027 के लिए टीम इन्फाइनाईट में जेसी हिमांशु देवांगन सर्व सम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। सचिव पद पर जेसी अंकित शाह, कोषाध्यक्ष पद पर जेसी जीएसएम वम्सी निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी जेसी आलोक अग्रवाल ने सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया पूरा होने के बाद विधिवत रूप से नई कमेटी की घोषणा की और सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया। नई कमेटी के उपाध्यक्ष पदों पर जेसी तोरण अटल, जेसी गौतम देशलहरा, जेसी गुंजा पिंचा, जेसी अतुल जैन, जेसी सुजय जसूजा, जेसी अंकित मित्तल, पीआरओ जेसी आशीष तैलंग, ग्रीटर जेसी अमित मेश्राम सर्वसम्मति से नियुक्त किए गए। जेसी वीक डायरेक्टर पद पर विवेक संघवी नियुक्त किए गए। इस अवसर पर नई कमेटी में 30 डायरेक्टर्स भी नियुक्त किए गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष 2027 जेसी हिमांशु देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जेसीआई की परंपरा के अनुसार सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को साथ लेकर ट्रेनिंग, बिजनेस एवं कम्युनिटी एवं अन्य सभी रचनात्मक कार्य करेंगे और जेसीआई दुर्ग भिलाई को पूरे देश में अग्रणी बनाएंगे। उन्होंने सभी पूर्व पदाधिकारियों एवं सदस्यों से सक्रिय सहयोग की अपील की। चुनाव कार्यक्रम के आरंभ में निवर्तमान अध्यक्ष जेसी संतोष कुमार ने स्वागत भाषण दिया और सभी सदस्यों का स्वागत किया। चुनाव अधिकारी जेसी आलोक अग्रवाल ने चुनाव प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद नई कमेटी के सभी पदों पर सर्वसम्मति से निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी की गई। निर्वाचन उपरांत उपस्थित सभी सदस्यों ने नए पदाधिकारियों का पुष्पाहार से स्वागत कर बधाईयां दी।

इस अवसर वरिष्ठ पूर्व अध्यक्षों में राजेश सांखला, प्रशांत गोलछा, रजनीश जायसवाल, योगेश राठी, आलोक अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे।

स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में नॉन-फाइनेंशियल मोटिवेशनल स्कीम के तहत कर्मचारी सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। बीएसपी के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 (एस.एम.एस.-3) में वित्तीय वर्ष 2025-26 के मार्च माह के दौरान उत्कृष्ट उत्पादन प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों के योगदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नॉन-फाइनेंशियल मोटिवेशनल स्कीम (एन.एफएम.एस.) के अंतर्गत उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न अनुभागों से चयनित पुरुष एवं महिला कार्मिकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस योजना में एसएमएस-3 के सभी नियमित कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं को शामिल किया गया है। योजना के अंतर्गत विभागीय प्रोत्साहन के लिए ज़ीरो फैटल एक्सीडेंट को एक अनिवार्य पात्रता शर्त निर्धारित की गई है। 11 मार्च से 31 मार्च 2026 तक की 21 दिवसीय अवधि में विभागीय टीम ने सामूहिक प्रयासों, समर्पण एवं बेहतर तालमेल के साथ निर्धारित दैनिक उत्पादन लक्ष्यों को निरंतर पार करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में क्रूड स्टील उत्पादन में वृद्धि तथा दैनिक परिचालन संबंधी चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए कार्मिकों को प्रोत्साहित करना इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही यह योजना कार्यस्थल पर सुरक्षा जागरूकता एवं अनुशासित कार्यसंस्कृति को भी बढ़ावा देती है।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) श्री त्रिभुवन बैठा ने मार्च माह की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के दौरान उच्च उत्पादन स्तर बनाए रखने में कार्मिकों की प्रतिबद्धता, सामूहिक प्रयासों एवं उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन की सराहना की। वर्तमान वित्तीय वर्ष के आगामी महीनों में भी इसी प्रकार के उत्पादन स्तर को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने उत्पादन लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ सुरक्षा को सर्वोपरि बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाना तथा शून्य दुर्घटना का लक्ष्य हासिल करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार अग्रवाल ने कन्वर्टर, एसआरयू, कंटीन्यूअस कास्टिंग अनुभाग एवं सहयोगी टीमों के बीच उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित टीमों के सामूहिक प्रयासों से विभाग ने दैनिक हीट उत्पादन के निर्धारित लक्ष्यों को लगातार पार करने में सफलता प्राप्त की। महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी (एसएमएस-3) यू. एस. परगनिहा ने परिचालन गतिविधियों के दौरान सुरक्षित कार्य निष्पादन रिकॉर्ड को एक महत्वपूर्ण पात्रता शर्त बताया। उन्होंने उत्पादन उत्कृष्टता के साथ-साथ सुरक्षित कार्य पद्धतियों का पालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

महाप्रबंधक प्रभारी (एसएमएस-3, मेकेनिकल) अजीत नारायण ने टीमों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि मेकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस कार्मिकों के सतत प्रयासों से उपकरणों की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित हुई तथा महत्वपूर्ण परिचालन अवरोधों को दूर करने में सहायता मिली।

कार्यक्रम का समन्वय महाप्रबंधक (एसएमएस-3) दिलीप कुमार वार्ष्णेय ने किया। यह पहल कार्मिकों के योगदान को सम्मानित करने, सामूहिक कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करने तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए उत्पादन उत्कृष्टता की भावना को प्रोत्साहित करती है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

विकसित छत्तीसगढ़ से साकार होगा विकसित भारत का संकल्प : केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया

- प्रदेश में प्रतिदिन बन रहे लगभग 1,600 प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन योजना से 68 लाख से अधिक महिलाओं को आर्थिक संबल
- जनजातीय संस्कृति, खेल, पर्यटन और औद्योगिक निवेश के माध्यम से विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प ही विकसित भारत के निर्माण को नई गति प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे साकार करने में छत्तीसगढ़ जैसे समृद्ध संसाधनों, गौरवशाली संस्कृति और अपार संभावनाओं वाले राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं, अधोसंरचना विकास, औद्योगिक निवेश और रोजगार के अवसरों के विस्तार से विकास की नई संभावनाएं साकार हो रही हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव 2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।





केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के पीछे स्थानीय जनता की आकांक्षाओं को नई पहचान देने और विकास की संभावनाओं को साकार करने की भावना थी। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर प्रदेश के विकास की मजबूत नींव रखी थी। आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश उसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विकास के नए पथ पर अग्रसर है।

डॉ. मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, समृद्ध लोकपरंपराएं, प्राकृतिक संपदा और यहां के लोगों की कर्मठता प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत हैं। एक समय बस्तर की चर्चा मुख्य रूप से नक्सलवाद के कारण होती थी, लेकिन आज वहां खेल, पर्यटन, संस्कृति और विकास की नई संभावनाएं सामने आ रही हैं। बस्तर की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि विकास की इस यात्रा में अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को सहेजते हुए आगे बढ़ना आवश्यक है। जब देश के सभी राज्य अपनी विशिष्ट क्षमताओं और संसाधनों के आधार पर विकसित होंगे, तभी विकसित भारत का संकल्प पूर्ण होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकास की यात्रा को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ की जनता से राज्य निर्माण का वादा किया था। प्रदेशवासियों ने उनके नेतृत्व पर विश्वास जताया और उन्होंने अपना वादा पूरा करते हुए 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ को अलग राज्य का स्वरूप प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को नमन करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में निर्मित छत्तीसगढ़ आज विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। राज्य गठन के समय प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की अनेक चुनौतियां थीं। बीते वर्षों में इन क्षेत्रों में व्यापक विस्तार हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ कर गरीब परिवारों को रियायती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने की व्यवस्था ने प्रदेश में खाद्य सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद लंबे समय तक बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक रहा। प्राकृतिक सौंदर्य, वन एवं खनिज संपदा से समृद्ध होने के बावजूद नक्सलवाद के कारण बस्तर के अनेक क्षेत्रों तक विकास की सुविधाएं अपेक्षित रूप से नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के दृढ़ संकल्प एवं मार्गदर्शन में नक्सलवाद का उन्मूलन हुआ। सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, पराक्रम और बस्तरवासियों के सहयोग से आज बस्तर नक्सलवाद की चुनौती से निकलकर शांति, विश्वास और विकास के नए युग की ओर बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर की जनता शांति और विकास चाहती है। राज्य सरकार का संकल्प है कि बस्तर के दूरस्थ से दूरस्थ गांव तक सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी आवश्यक सुविधाएं पहुंचें। नक्सलवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए स्थानीय युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस अभियान में सुरक्षा बलों के जवानों के साहस, समर्पण और बलिदान को नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटियों को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1,600 पक्के आवास तैयार हो रहे हैं। यह केवल मकानों का निर्माण नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य के सपनों को साकार करने का अभियान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की खुशहाली राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। किसानों को लंबित बोनस का भुगतान कर उनके प्रति किए गए वादे को भी पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनी है। इस योजना के अंतर्गत 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। महिलाओं के बैंक खातों में सीधे पहुंच रही सहायता राशि से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में उन्हें आर्थिक संबल मिला है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया गया है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है और यहां के जनजीवन में भगवान श्रीराम के प्रति गहरी आस्था है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण और प्रभु श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा से प्रदेशवासियों में अपार उत्साह है।

उन्होंने बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक प्रदेश के 50 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के श्रद्धालुओं को भी इस पवित्र तीर्थयात्रा का अवसर प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज शासकीय एवं निजी क्षेत्र को मिलाकर 21 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। यह प्रदेश में स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना हुई है। युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को अपनी प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने के अधिक से अधिक अवसर प्राप्त हों।

समारोह को संबोधित करते हुए संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराएं और ऐतिहासिक विरासत प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। पंडवानी, पंथी, ददरिया सहित यहां की लोककलाएं हमारी सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश की लोककलाओं के संरक्षण, संवर्धन और कलाकारों को सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। पंडवानी की महान साधिका स्वर्गीय तीजन बाई की स्मृति में राज्य अलंकरण की शुरुआत की गई है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि चित्रकोट जलप्रपात, सिरपुर, राजिम, रामगढ़ की प्राचीन गुफाएं और मैनपाट जैसे पर्यटन स्थल देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार क्षमता रखते हैं। पर्यटन के विस्तार से स्थानीय युवाओं, महिलाओं, हस्तशिल्पकारों और छोटे व्यवसायियों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित होंगे।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, राज्य सरकार के मंत्रीगण, सांसद, विधायकगण, विभिन्न निगमों, मंडलों एवं आयोगों के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

राज्योत्सव में श्रम विभाग की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस एवं राज्योत्सव के अवसर पर श्रम विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभागीय योजनाओं, श्रमिक कल्याणकारी गतिविधियों एवं नवाचारों पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी स्टॉल तैयार किया गया है। प्रदर्शनी के माध्यम से श्रमिकों के अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार तथा डिजिटल सुविधाओं से संबंधित विभागीय पहलों को आकर्षक एवं जानकारीपूर्ण स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व तथा श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन एवं छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह की विशेष पहल एवं मार्गदर्शन में श्रम विभाग श्रमिकों के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा एवं उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इसी दिशा में विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं, तकनीकी नवाचारों एवं कल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से श्रमिकों और उनके परिवारों को लाभान्वित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रदर्शनी में श्रमिकों के हितों से जुड़ी चार प्रमुख श्रम संहिताओंकृवेतन संहिता, 2019 औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता, 2020 तथा सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 - को आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इनके माध्यम से न्यूनतम वेतन, समय पर वेतन भुगतान, समान कार्य के लिए समान वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल एवं श्रमिकों के सामाजिक संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जा रही है।

प्रदर्शनी में अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना को विशेष स्थान दिया गया है। इसके माध्यम से श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने तथा उनके सपनों को साकार कर उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाने की पहल को दर्शाया गया है। ₹सपनों से हकीकत तकश् की थीम श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा एवं भविष्य के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

डिजिटल नवाचार के अंतर्गत डिजिटल लेबर चौक एवं ई-श्रम साथी ऐप का विशेष प्रदर्शन किया गया है। डिजिटल लेबर चौक ऐप के माध्यम से श्रमिकों एवं नियोजकों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़ने तथा रोजगार के अवसरों तक पहुंच आसान बनाने की पहल को प्रदर्शित किया गया है। वहीं ई-श्रम साथी ऐप के माध्यम से श्रमिकों को मोबाइल आधारित डिजिटल सुविधाओं एवं विभागीय सेवाओं से जोड़ने की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर आधारित मॉडल तथा प्रदर्शन सामग्री के माध्यम से कार्यस्थलों पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित कार्य परिस्थितियों के महत्व को भी दर्शाया गया है। श्रमिकों एवं आगंतुकों के लिए विभागीय योजनाओं और नवाचारों को जानने एवं समझने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। इसका उद्देश्य श्रमिकों को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक करना तथा शिक्षा, रोजगार, तकनीक और सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से श्रमिक परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

गढ़ कलेवा के स्टॉल में स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वाद ले रहे नागरिक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और खान-पान की झलक देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में रायपुर के घड़ी चौक स्थित गढ़ कलेवा से पहुँचे मनीषा महिला स्व-सहायता समूह अपने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्टॉल के माध्यम से लोगों को प्रदेश के पारंपरिक स्वाद से रूबरू करा रहे हैं। समूह द्वारा लगाए गए स्टॉल में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजन जैसे चिला, फरा, चौसेला, साबूदाना बड़ा, भजिया, ठेठरी, खुरमी सहित कई तरह के छत्तीसगढ़ी व्यंजन एवं पकवान तैयार कर लोगों को परोसे जा रहे हैं। इन व्यंजनों के जरिए समूह की महिलाएं छत्तीसगढ़ की खान-पान की परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ ही अपनी मेहनत और हुनर का प्रदर्शन कर रही हैं। मनीषा महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं पारंपरिक व्यंजन तैयार कर अपनी आजीविका चला रही हैं और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। उनके इस प्रयास से परिवार के भरण-पोषण में आर्थिक सहयोग मिल रहा है।

राज्योत्सव में लोककला के रंग, सुरों की गूंज और थिरकते कदमों ने बांधा समां

शिल्पग्राम मंच पर सजी छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की मनमोहक महफिल, पंडवानी से लेकर फ्यूजन बैंड तक कलाकारों ने बिखेरा कला का जादू

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव मेला मैदान का शिल्पग्राम मंच रविवार को लोककला, संगीत और नृत्य के अद्भुत संगम का साक्षी बना। कहीं लोकगीतों की सुरीली तान गूंजी, तो कहीं पंडवानी की ओजस्वी कथा ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। गिटार की मधुर धुनों, फ्यूजन बैंड की आधुनिक संगीत शैली और शास्त्रीय नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों ने राज्योत्सव के उल्लास को दोगुना कर दिया। विभिन्न विधाओं के कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं की खूबसूरत छटा बिखेरी।

राज्योत्सव के अंतर्गत शिल्पग्राम मंच पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से उत्सव में चार चांद लगा दिए। पारंपरिक लोककला और आधुनिक संगीत का यह अनूठा संगम राज्योत्सव के विशेष आकर्षणों में शामिल रहा।

छत्तीसगढ़ की विश्वविख्यात लोकगाथा पंडवानी की प्रस्तुति राज्योत्सव के प्रमुख आकर्षणों में रही। दुर्ग के चेतन देवांगन और रायपुर की सुश्री दुर्गा साहू ने पंडवानी की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से महाभारत की कथाओं और छत्तीसगढ़ की समृद्ध वाचिक परंपरा को मंच पर साकार किया। कथा, संगीत और अभिनय के अनूठे समन्वय ने लोककला की इस विशिष्ट विधा की खूबसूरती को सामने रखा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रायपुर के शिवेन्द्र मण्डावी ने लोकसंगीत एवं गिटार वादन की प्रस्तुति दी। रायपुर के राजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में रिदम ट्विंस बैंड तथा संतोष कुमार सिन्हा के फ्यूजन बैंड की प्रस्तुतियों ने संगीत की आधुनिक शैलियों से दर्शकों को रूबरू कराया। पारंपरिक और आधुनिक संगीत के इस मेल ने शिल्पग्राम मंच को सुरों और तालों से सराबोर कर दिया।

सुश्री अनुप्रिया सुल्ताना ने शास्त्रीय नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति से भारतीय नृत्य परंपरा की सुंदरता को मंच पर साकार किया। नृत्य की भावपूर्ण मुद्राओं, लयबद्ध पदचाप और कलात्मक अभिव्यक्ति ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। दुर्ग की श्रीमती रजनी रजक ने लोकमंच एवं ढोलमारू की प्रस्तुति के माध्यम से लोकजीवन की भावनाओं और पारंपरिक कथाओं को जीवंत किया। वहीं बिलासपुर की कुमारी वंदिता साहू ने लोकसंगीत की मधुर प्रस्तुति दी। सुश्री पायल साहू ने लोकमंच के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लोककला के विविध रंग बिखेरे। इन प्रस्तुतियों में प्रदेश की लोकपरंपराओं, सांस्कृतिक पहचान और माटी की सौंधी महक का सुंदर समावेश देखने को मिला। राज्योत्सव के शिल्पग्राम मंच पर आयोजित इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने एक बार फिर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला और सांस्कृतिक विविधता की झलक प्रस्तुत की।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026: राज्योत्सव में महक रहा राजस्थान का स्वाद

कोटा से हर साल राज्योत्सव में पहुंचते हैं नीरज शर्मा, दाल-बाटी-चूरमा और प्याज कचौरी के जरिए छत्तीसगढ़ के लोगों तक पहुंचा रहे राजस्थान की पारंपरिक खान-पान की संस्कृति

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित राज्योत्सव इन दिनों उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक विविधता के रंगों से सराबोर है। यहां छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, परंपराओं, हस्तशिल्प और विकास की उपलब्धियों के साथ देश के अलग-अलग राज्यों की संस्कृति और खान-पान की झलक भी देखने को मिल रही है।

राज्योत्सव का परिसर ऐसा जीवंत संगम बन गया है, जहां अलग-अलग प्रदेशों की पहचान, परंपराएं और स्वाद एक-दूसरे से मिल रहे हैं। इसी रंगीन माहौल के बीच राजस्थान के कोटा से आए नीरज शर्मा का स्टॉल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उनके स्टॉल से उठती राजस्थानी व्यंजनों की खुशबू लोगों को अपनी ओर खींच रही है।

नीरज शर्मा के स्टॉल पर राजस्थान के पारंपरिक और लोकप्रिय व्यंजन दाल-बाटी-चूरमा के साथ जोधपुर की मशहूर प्याज कचौरी का स्वाद चखने को मिल रहा है। घी से सजी सुनहरी बाटी, पारंपरिक मसालों से तैयार दाल और मिठास से भरपूर चूरमा राजस्थानी खान-पान की समृद्ध परंपरा का परिचय देते हैं। वहीं कुरकुरी परत और मसालेदार प्याज की भरावन वाली कचौरी अपने चटपटे स्वाद से लोगों का मन मोह रही है।

राज्योत्सव घूमने आने वाले परिवार, युवा और बुजुर्ग इन व्यंजनों का आनंद ले रहे हैं। कई लोग जहां पहली बार राजस्थानी स्वाद का अनुभव कर रहे हैं, वहीं राजस्थान के व्यंजनों से परिचित लोग अपने पसंदीदा स्वाद को पाकर खासे उत्साहित नजर आते हैं।

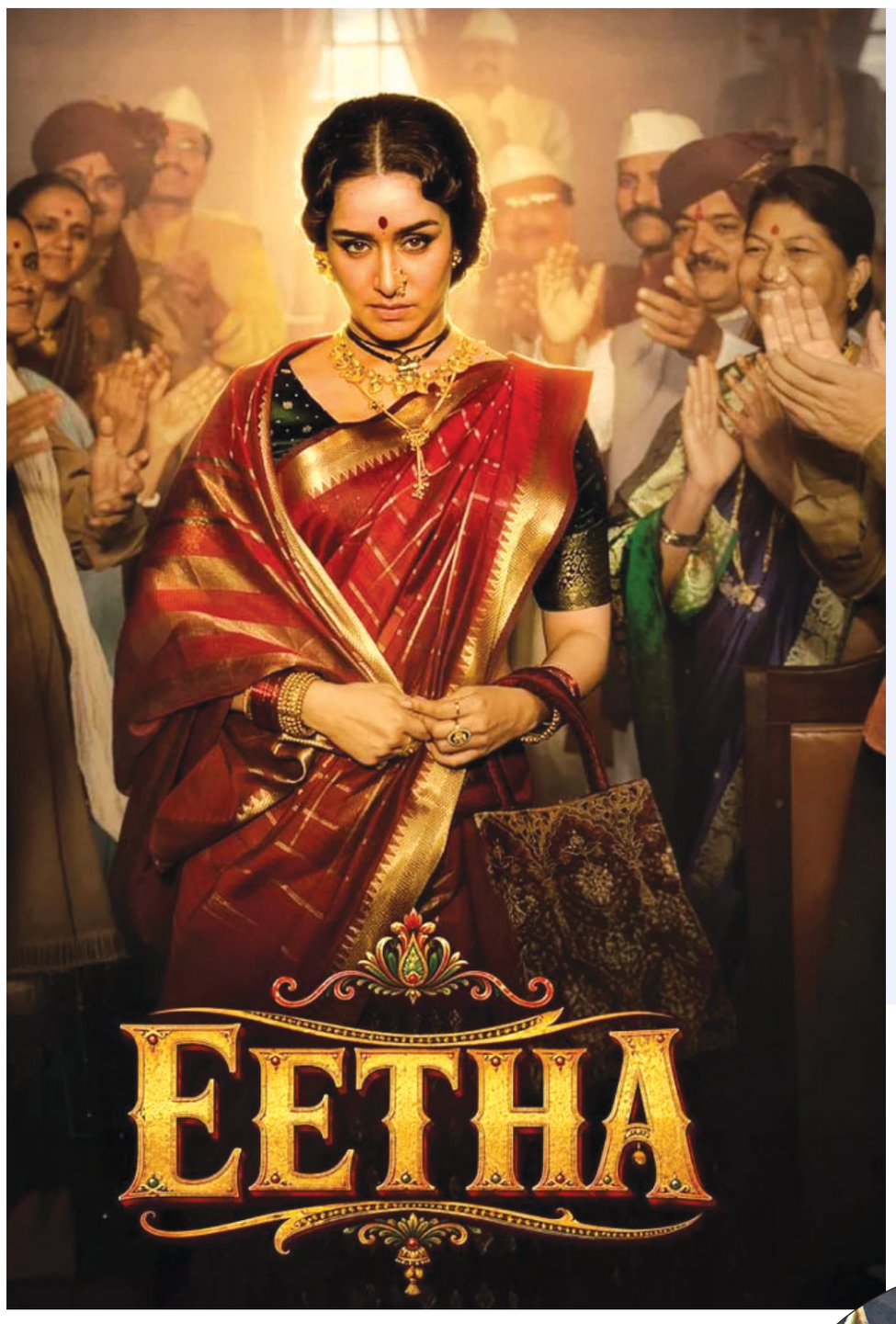
नीरज शर्मा के लिए यह केवल व्यंजनों की बिक्री नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी के स्वाद और संस्कृति को दूसरे प्रदेश के लोगों तक पहुंचाने का एक आत्मीय प्रयास भी है।

नीरज शर्मा का छत्तीसगढ़ से रिश्ता आज का नहीं है। वे हर साल राज्योत्सव में अपना स्टॉल लगाने के लिए यहां आते हैं। इसके अलावा बिलासपुर के व्यापार मेले में भी नियमित रूप से हिस्सा लेते हैं। छत्तीसगढ़ में होने वाले शादी-विवाह और अन्य पारिवारिक आयोजनों में भी वे राजस्थानी व्यंजन परोसते हैं। इस तरह धीरे-धीरे उनका परिचय केवल एक कारोबारी के रूप में नहीं, बल्कि यहां के लोगों के बीच राजस्थान के पारंपरिक स्वाद को पहुंचाने वाले एक परिचित चेहरे के रूप में बन गया है।

लगातार छत्तीसगढ़ आने और यहां के लोगों से जुड़ने के अनुभव ने उनके मन में इस प्रदेश के प्रति एक विशेष लगाव पैदा किया है। उनके लिए राज्योत्सव अब सालाना आयोजन भर नहीं, बल्कि पुराने परिचितों से मिलने, नए लोगों से जुड़ने और अपनेपन के रिश्ते को आगे बढ़ाने का अवसर भी है। छत्तीसगढ़ के प्रति अपने अनुभव साझा करते हुए नीरज शर्मा बेहद आत्मीयता से कहते हैं, यहां हिंदी का खूब उपयोग होता है, इसलिए बात करने और कारोबार करने में कोई दिक्कत नहीं होती। यहां की भाषा सबसे सुविधाजनक है। यहां के लोग घर जैसा व्यवहार करते हैं। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं दूसरे प्रदेश में हूं। छत्तीसगढ़ मुझे अपने ही प्रदेश जैसा लगता है। नीरज शर्मा की ये बातें छत्तीसगढ़ की उस सहज और आत्मीय संस्कृति को सामने लाती हैं, जिसकी पहचान यहां आने वाले लोगों के अनुभवों में भी दिखाई देती है। यहां की सरलता, सहयोग और मेहमाननवाजी बाहरी प्रदेशों से आने वाले लोगों को भी अपनेपन का एहसास कराती है। यही वजह है कि नीरज शर्मा जैसे कारोबारी बार-बार छत्तीसगढ़ आते हैं और यहां के लोगों के साथ अपने रिश्ते को और मजबूत बनाते हैं।







भरोसा ही मेरा घमंड, जब वो टूट गया ना...

ईठा का धांसू ट्रेलर रिलीज, आखिर किसने तोड़ा विठाबाई नारायणगांवकर का विश्वास

स्त्री फ्रैंचाइजी के बाद श्रद्धा कपूर लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी ईठा में नजर आने वाली हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें श्रद्धा कपूर मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के किरदार में नजर आ रही हैं। दर्शकों की भारी भीड़ के सामने शानदार प्रदर्शन से लेकर दिल टूटने और निजी दुखों के पलों तक, यह ट्रेलर एक ऐसी कलाकार के जीवन के कई पहलुओं को दिखाता है, जिसकी पूरी जिंदगी उसकी कला के इर्द-गिर्द ही घूमती थी।

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर ईठा का ट्रेलर अपलोड किया और फैंस को बताया, पर्दा उठ चुका है, तमाशा सज चुका है। ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर की शुरुआत श्रद्धा से होती है, जो पारंपरिक लावणी ड्रेस पहने मंच पर प्रस्तुति दे रही हैं और बड़ी संख्या में लोग उन्हें देख रहे हैं। इसमें दर्शकों के हाथों में रोशनी, भव्य मंच और लोक संगीत की धुन पर नाचतीं एक्ट्रेस के सीन दिखाई देते हैं।

प्रसिद्धि की झलक दिखाने के बाद ट्रेलर में ईठा की जिदंगी का वो सीन दिखाया जाता है, जहां वह पूरी तरह से टूट गई होती हैं। एक सीन में श्रद्धा का किरदार कहता है, तुम्हीं ने कहा था ना, देखते हैं क्या टूटता है, मेरा भरोसा या मेरा घमंड? मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे, जब वो टूट गया ना सब टूट गया। डायलॉग से पता चलता है कि टूटे भरोसे ने उसे चकनाचूर कर दिया है।

ट्रेलर में एक तरफ एक मशहूर कलाकार के रूप में उनकी सार्वजनिक छवि दिखाई गई है, तो दूसरी तरफ मंच से दूर उन्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। फिर उनके साथी एक बार फिर से खुद पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि वो एक बार फिर जिंदगी में उठ खड़ी हो। वे प्रेरित ईठा को प्रेरित करते हैं कि उनसे नाच के मुकाबले में तकदीर भी नहीं जीत सकती है। इसके बाद एक बहुत ही दमदार सीन आता है, जिसमें उन्हें उनके ही कहे शब्द याद दिलाए जाते हैं, पड़े-पड़े मरी को बेचारी कहलाऊंगी, पर नाचते हुए मरी तो मिशाल बन जाऊंगी।

ट्रेलर में विठाबाई के परिवार और निजी रिश्तों की झलक भी देखने को मिलती है। रणदीप हुड्डा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी कुछ पलों के लिए नजर आते हैं। एक सीन में, एक उद्घोषक उनका परिचय देते हुए कहता है, महाराष्ट्र की शान, लावणी का अभिमान, विठाबाई। इसके बाद श्रद्धा मंच के बीचों-बीच आती हैं और नर्तकों के एक समूह के साथ प्रदर्शन करती हैं, जबकि दर्शक उनका उत्साह बढ़ाते हैं।

मशहूर डायरेक्टर लक्ष्मण उटेकर ने ईठा को डायरेक्ट किया है। मैडॉक फिल्म्स और कठपुतली क्रिएशन्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान, लक्ष्मण उटेकर और करिश्मा शर्मा हैं। अजय-अतुल ने फिल्म का म्यूजिक बनाया है।

श्रद्धा कपूर ने विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर का रोल किया है, जो मशहूर मराठी तमाशा और लावणी आर्टिस्ट थीं, जिनकी जिंदगी से यह फिल्म इंस्पायर्ड है। कास्ट में रणदीप हुड्डा, मोहम्मद जीशान अय्यूब, अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह, उल्का गुप्ता और स्वर्गीय नाना पाटेकर भी हैं। यह फिल्म 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

केदारनाथ दर्शन विवाद में सारा अली खान के समर्थन में उतरीं सोनिया बंसल

अभिनेत्री सारा अली खान के केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने को लेकर उठे विवाद के बीच 'बिग बॉस 17' से चर्चा में आईं अभिनेत्री सोनिया बंसल उनके समर्थन में सामने आई हैं। सोनिया ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की धार्मिक आस्था उसका निजी मामला है। हर इंसान को अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी धार्मिक स्थल पर जाकर प्रार्थना करने और आशीर्वाद लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से धर्म के आधार पर किसी को परखने के बजाय प्रेम, इंसानियत और आपसी सम्मान को महत्व देने की अपील की।



सोनिया ने कहा कि सारा अली खान एक अच्छी अभिनेत्री हैं और हमेशा अपने दिल की सुनती हैं। वह कई बार केदारनाथ जा चुकी हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सारा फिल्म 'केदारनाथ' का हिस्सा रही हैं, जिसमें मंदिर की पृष्ठभूमि में आस्था, प्रेम और इंसानियत की कहानी दिखाई गई थी। सोनिया के मुताबिक, आशीर्वाद लेने जैसी निजी बात को विवाद का विषय बनाना समझ से परे है। सारा भी अन्य लोगों की तरह प्रार्थना और मानसिक शांति की इच्छा रखती हैं।

सोनिया ने कहा कि समाज में लोग बहुत जल्दी हर बात को धर्म से जोड़ देते हैं। यह सोचने की जरूरत है कि हम अपने बच्चों को कैसा समाज देना चाहते हैं। उन्हें लोगों से प्रेम करना, उन्हें अपनाना और उनका सम्मान करना सिखाया जाना चाहिए, न कि सबसे पहले उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर अंतर करना। उन्होंने कहा कि दुनिया आगे बढ़ रही है, लेकिन हम अब भी हिंदू और मुस्लिम पहचान को लेकर बहस में उलझे हुए हैं। समाज को इस सोच से आगे बढ़ने की जरूरत है।

अभिनेत्री ने कहा कि मंदिर, मस्जिद और चर्च जैसे धार्मिक स्थल शांति, भक्ति और अपनापन महसूस करने की जगह हैं। यदि कोई मंदिर में सिर झुकाना चाहता है, मस्जिद में इबादत करना चाहता है या चर्च में जाकर सुकून पाना चाहता है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक धार्मिक स्थल का सम्मान होना चाहिए और हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार प्रार्थना करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पहचान से पहले हम सभी इंसान हैं।

सोनिया ने कहा कि यदि हम एक-दूसरे की आस्था का सम्मान नहीं कर सकते, तो आने वाली पीढ़ी के लिए कैसा समाज तैयार कर रहे हैं? किसी की नीयत पर धर्म के नाम पर सवाल उठाना दुखद है। आस्था बेहद निजी विषय है और जब कोई व्यक्ति भगवान के सामने खड़े होकर आशीर्वाद मांगता है, तो उसके मन में क्या चल रहा है, यह कोई दूसरा नहीं जान सकता।

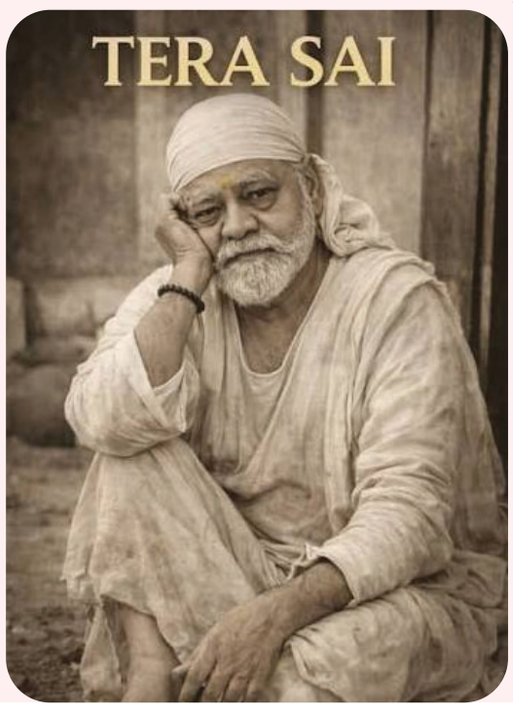
उन्होंने कहा कि सारा अली खान ने अपने अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन किया है और लोगों के दिलों में जगह बनाई है। उनकी प्रतिभा और व्यक्तित्व की सराहना होनी चाहिए, न कि किसी धार्मिक स्थल पर जाने के कारण उन्हें विवाद में घसीटा जाना चाहिए। सोनिया ने उम्मीद जताई कि समाज में नफरत के बजाय प्रेम और आपसी सद्भाव को बढ़ावा दिया जाएगा।



गौरतलब है कि सारा अली खान 25 अक्टूबर को केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने पहुंची थीं। इस दौरान उनकी दर्शन के लिए कतार में खड़े होने की तस्वीरें सामने आई थीं। मंदिर के बाहर भी उन्हें हाथ जोड़कर प्रार्थना करते देखा गया था। उनकी इस यात्रा के बाद विवाद शुरू हो गया। खबरों के मुताबिक, एक इस्लामिक धर्मगुरु ने मंदिर में दर्शन करने को लेकर उनके खिलाफ फतवा जारी किया है। हालांकि, इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

संजय मिश्रा की फिल्म तेरा साईं की रिलीज तारीख का ऐलान, 5 फरवरी 2027 को होगी रिलीज

अभिनेता संजय मिश्रा अब तक अपने फिल्मी करियर में गंभीर से लेकर हास्य तक कई तरह की भूमिकाएं निभा चुके हैं। अब वह पहली बार बड़े पर्दे पर साईं बाबा के किरदार में नजर आएंगे। उनकी आगामी फिल्म 'तेरा साईं' की रिलीज तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। यह फिल्म 5 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।



निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है। इसमें संजय मिश्रा साईं बाबा के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में उनके आसपास कुछ अनुयायी भी नजर आ रहे हैं, जबकि एक छोटा बच्चा रोता हुआ दिखाई देता है। संजय मिश्रा का यह नया रूप दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

'तेरा साईं' की कहानी साईं बाबा के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनसे जुड़ी चमत्कारिक घटनाओं पर आधारित होगी। फिल्म का निर्देशन पलाश मुच्छल ने किया है, जबकि इसका निर्माण शैलेश एस. सांघवी के निर्माण संस्थान एस3 फिल्म्स के तहत किया गया है।

फिल्म में संजय मिश्रा के अलावा सयाजी शिंदे, मनोज जोशी, ओंकार दास मानिकपुरी, अविका गौर और रोहन मेहरा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का वितरण सिनेपोलिस पूरे देश में करेगा।

'तेरा साईं' को अखिल भारतीय स्तर पर प्रदर्शित करने की तैयारी है। यह फिल्म हिंदी, मराठी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में 5 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साईं बाबा के जीवन और संदेशों को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने वाली इस फिल्म से दर्शकों को एक अलग तरह की सिनेमाई अनुभूति मिलने की उम्मीद है।

ठंड से बचने के लिए पिएं ये पांच पौष्टिक सूप, इन्हें बनाना भी है आसान

सर्दियों में शाम के समय ठंड से बचने के लिए कई लोग गर्मा-गर्म सूप का सेवन करना पसंद करते हैं। सूप न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें मौजूद प्रोटीन शरीर को गर्माहट देने के साथ कई फायदे भी पहुंचा सकते हैं। आइए आज हम आपको 5 पौष्टिक सूप की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन ठंड से बचाने के साथ-साथ शरीर की ताकत बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।



पालक और मूंग दाल का सूप

सबसे पहले पालक और मूंग दाल को अलग-अलग उबाल लें। फिर एक पैन में पालक, मूंग दाल, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च और थोड़ा पानी डालकर मिलाएं।

अब इस मिश्रण को ठंडा करके पीसें। इसके बाद इस पेस्ट को पैन में दाल, जीरा, नमक, हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला और पानी के साथ डालकर अच्छी तरह मिलाएं और इसे 5 मिनट तक पकाएं।

अंत में इसे कटोरी में निकालकर गर्मा-गर्म परोसें।

मिक्स सब्जियों का सूप

सबसे पहले गाजर, खीरा, टमाटर, प्याज, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक और लहसुन को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर एक पैन में सब्जियां, नमक, काली मिर्च, थोड़ा पानी और थोड़ा तेल डालकर मिलाएं।

अब इस मिश्रण को 5 मिनट तक पकाएं और जब सब्जियां नरम हो जाएं तो इसे ठंडा करके पीस लें। अंत में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।

इसमें आप अपनी पसंद की कोई भी सब्जी शामिल कर सकते हैं।

टमाटर का सूप

सबसे पहले टमाटर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें टमाटर, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें।

अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।

गाजर का सूप

सबसे पहले गाजर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें गाजर, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें।

अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।

मशरूम का सूप

सबसे पहले मशरूम को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें। फिर एक पैन में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन भूनें।

अब इसमें मशरूम, नमक, काली मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर इसे 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके पीस लें।

अंत में इस मिश्रण को पैन में दूध और एक चुटकी सोया सॉस के साथ मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में इसे कटोरी में डालकर गर्मा-गर्म परोसें।

क्ले मास्क बनाम शीट मास्क: त्वचा के लिए कौन-सा विकल्प है ज्यादा बेहतर?



त्वचा की देखभाल के लिए मास्क का इस्तेमाल एक लोकप्रिय तरीका है। बाजार में 2 प्रकार के मास्क मौजूद हैं, एक क्ले वाला फेस मास्क और दूसरा शीट मास्क। दोनों के अपने-अपने फायदे और उपयोग हैं। इस लेख में हम इन दोनों मास्क के बीच के अंतर और उनके फायदे-नुकसान पर चर्चा करेंगे, जिससे आप अपनी त्वचा की जरूरत के हिसाब से सही विकल्प चुन सकें। आइए जानते हैं कि दोनों में से कौन-सा मास्क त्वचा के लिए बेहतर है।

क्ले मास्क के फायदे

क्ले मास्क प्राकृतिक तत्वों से बने होते हैं, जो त्वचा की गहराई तक जाकर उसे साफ और स्वस्थ रखते हैं। ये मास्क त्वचा के अतिरिक्त तेल को सोख लेते हैं, जिससे मुंहासे होने की संभावना कम होती है।

इसके अलावा ये मास्क त्वचा की गंदगी और अशुद्धियों को भी हटाते हैं, जिससे त्वचा तरोताजा महसूस करती है। क्ले मास्क में मौजूद खनिज तत्व त्वचा को पोषण देते हैं, जिससे वह निखरी और चमकदार दिखती है।

शीट मास्क के फायदे

शीट मास्क एक प्रकार का पहले से तैयार मास्क होता है, जिसे सीधे चेहरे पर लगाया जाता है। यह त्वचा को तुरंत नमी प्रदान करता है और उसे ताजगी महसूस कराता है।

शीट मास्क में मौजूद नमी देने वाले तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और उसकी चमक बढ़ाते हैं। इसे इस्तेमाल करना आसान होता है और यह यात्रा के दौरान या व्यस्त दिनचर्या में भी सुविधाजनक है। शीट मास्क अलग-अलग प्रकार की जरूरतों के हिसाब से उपलब्ध होते हैं।

दोनों मास्क के बीच का अंतर

क्ले मास्क को लगाने के बाद कुछ मिनट तक सूखने दिया जाता है और फिर इसे धो लिया जाता है। वहीं, शीट मास्क को चेहरे पर लगाने के बाद उतार लिया जाता है, बिना धोने की जरूरत पड़े। इस प्रकार दोनों मास्क का उपयोग करने का तरीका अलग-अलग है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है या मुंहासों की समस्या है तो क्ले मास्क बेहतर रहेगा। वहीं, सूखी त्वचा वालों के लिए शीट मास्क सही रहेगा।

क्ले मास्क कुछ लोगों की त्वचा पर जलन या एलर्जी पैदा कर सकते हैं, खासकर संवेदनशील त्वचा वालों के लिए। इसके अलावा अगर सही मात्रा में इस्तेमाल न किया जाए तो यह त्वचा को सुखा भी सकता है। इसके अलावा क्ले मास्क को सूखने में समय लगता है, जो कभी-कभी असुविधाजनक हो सकता है। इस प्रकार क्ले मास्क के कुछ नुकसान भी हैं, जिन्हें ध्यान में रखना जरूरी होता है।

शीट मास्क पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं, क्योंकि ये प्लास्टिक से बने होते हैं और इन्हें फेंकना मुश्किल होता है। इसके अलावा कुछ शीट मास्क में मौजूद रसायन संवेदनशील त्वचा वालों को जलन या एलर्जी पैदा कर सकते हैं। इस प्रकार दोनों प्रकार के मास्क के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आपकी त्वचा की जरूरतों के हिसाब से ही सही विकल्प चुनें, ताकि आपको बेहतरीन परिणाम मिल सकें।

खास-खबर

डिजिटल फसल सर्वेक्षण के सत्यापन के लिए 4 से 6 नवंबर तक विशेष ग्राम सभाएं

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कलेक्टर विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में एग्रीस्टैक परियोजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026-27 के डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण में दर्ज फसल विवरण के सत्यापन हेतु जिले के प्रत्येक ग्राम में 4 से 6 नवंबर तक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभाओं में डिजिटल सर्वेक्षण के माध्यम से दर्ज फसल विवरण का वाचन किया जाएगा तथा संबंधित ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर सर्वेक्षित किसानों की खसरावार सूची चस्पा की जाएगी। किसान ग्राम सभा में उपस्थित होकर अपनी भूमि एवं फसल से संबंधित दर्ज विवरण की जांच कर सकेंगे। विवरण में त्रुटि अथवा असहमति होने पर दावा-आपत्ति प्रस्तुत की जा सकेगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का परीक्षण तथा निराकरण संबंधित तहसील के तहसीलदार द्वारा अनिवार्य रूप से 10 नवंबर 2026 तक किया जाएगा।

धान खरीदी की प्रक्रिया पारदर्शी और सुगम हो

कोरबा। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की तैयारी एवं प्रशिक्षण के सम्बंध में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों, सहकारी समितियों के प्रबंधकों और ऑपरेटरों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बैठक में धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी पंजीकृत किसानों के खसरों, फसल प्रविष्टियों और रकबे का सत्यापन करने तथा पंजीयन संबंधी त्रुटियों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसार धान खरीदी की प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और सुगम होनी चाहिए, ताकि किसानों को अपनी उपज विक्रय करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कलेक्टर दुदावत ने सम्बंधित अधिकारियों को किसानों के रकबे में सुधार, छूटे हुए खसरों की पोर्टल में प्रविष्टि तथा फसल विवरण में त्रुटियों का निराकरण प्राथमिकता से करने को कहा।

राज्योत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को जानने उमड़ रही लोगों की भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित भव्य राज्योत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा लगाया गया स्टॉल लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राज्योत्सव के पहले ही दिन विभागीय स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिक, युवा, विद्यार्थी और पर्यटक छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों, धार्मिक पर्यटन केंद्रों तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स और पर्यटक आवास सुविधाओं के संबंध में उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।



राज्योत्सव में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग का स्टॉल छत्तीसगढ़ की समृद्ध प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि को प्रदर्शित कर रहा है। यहां पहुंचने वाले लोग प्रदेश के प्रसिद्ध जलप्रपातों, घने वनों, वन्यजीव अभयारण्यों, प्राचीन मंदिरों, पुरातात्विक स्थलों और धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्रों के बारे में जानकारी ले रहे हैं। विशेष रूप से बस्तर, सरगुजा और प्रदेश के अन्य पर्यटन क्षेत्रों के प्रति लोगों में उत्साह देखा जा रहा है।

विभागीय स्टॉल पर आने वाले पर्यटक बस्तर के विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, ऐतिहासिक सिरपुर, भोरमदेव मंदिर, मैनपाट, बारनवापारा अभयारण्य, डोंगरगढ़ और अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। पर्यटकों में इन स्थलों तक पहुंचने के मार्ग, आवागमन की सुविधाओं, ठहरने की व्यवस्था और भ्रमण के उपयुक्त समय के बारे में जानने की विशेष उत्सुकता दिखाई दे रही है। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता और विविधता लोगों को आकर्षित कर रही है। राज्योत्सव में आने वाले अनेक परिवार प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा की योजना बनाने के उद्देश्य से विभागीय स्टॉल पर पहुंच रहे हैं। पर्यटन के साथ-साथ प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति, लोक परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति भी लोगों में उत्सुकता दिखाई दे रही है। छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोक संस्कृति, जनजातीय परंपराएं, पारंपरिक उत्सव, लोकनृत्य और प्राचीन स्थापत्य कला प्रदेश की पहचान हैं। राज्योत्सव के माध्यम से लोगों को छत्तीसगढ़ की इसी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को और अधिक निकट से जानने का अवसर मिल रहा है। राज्य की सांस्कृतिक विविधता और पर्यटन संभावनाएं एक-दूसरे की पूरक हैं। प्रदेश के धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के साथ यहां की लोक संस्कृति और पारंपरिक जीवनशैली पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का विषय है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख पर्यटन राज्यों में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध वन संपदा, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों, धार्मिक आस्था के केंद्रों और जीवंत जनजातीय संस्कृति का अद्भुत संगम है। इन विशेषताओं के कारण छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि राज्योत्सव जैसे आयोजन प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं और सांस्कृतिक विशेषताओं को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के स्टॉल पर लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी यह दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के प्रति लोगों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य पर्यटन स्थलों का विकास करने के साथ-साथ पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है।

पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट्स और आवास सुविधाओं के बारे में विशेष रुचि

राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स और पर्यटक आवास सुविधाओं के संबंध में भी लोगों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। पर्यटक विभिन्न पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध ठहरने की सुविधाओं, रिसॉर्ट्स की विशेषताओं, आवास व्यवस्था, किराए और आरक्षण प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। विशेष रूप से चित्रकोट सहित प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटन मंडल द्वारा उपलब्ध कराई जा रही आवासीय सुविधाओं के प्रति लोगों की रुचि दिखाई दे रही है। पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट्स के संबंध में जानकारी प्राप्त करने वाले लोग परिवार के साथ छुट्टियां बिताने और प्राकृतिक वातावरण में पर्यटन का आनंद लेने की संभावनाएं तलाश रहे हैं।

जिला स्तरीय सरस मेला 2026 का भव्य शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। राजा फत्तेह सिंह खेल मैदान, खैरागढ़ में आज जिला स्तरीय सरस मेला 2026 का उत्साहपूर्ण वातावरण में शुभारंभ हुआ। कलेक्टर इंद्रजीत चंद्रवाल के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित मेले में जिले के दोनों विकासखंडों के लगभग 64 स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष मती प्रियंका खम्मन ताम्रकार, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष मती गिरजा चंद्राकर, जिला पंचायत सभापति दिनेश वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष छुईखदान पुष्पा प्रकाश, पूर्व सभापति धम्मन साहू एवं भागवत शरण सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रवेश द्वार पर फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने मंच पर दीप प्रज्ज्वलित किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण महिलाएं अपने हुनर और परिश्रम के बल पर आत्मनिर्भरता की नई पहचान बना रही हैं। सरस मेले में प्रदर्शित उत्पाद उनकी मेहनत, रचनात्मकता एवं उद्यमशीलता का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ समाज में पहचान और सम्मान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कलेक्टर ने कहा कि सरस मेला ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। इससे महिलाओं को अपने उत्पादों की पहचान स्थापित करने, बाजार तक पहुंच बनाने तथा आय बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करने और महिला स्व-सहायता समूहों के प्रयासों को प्रोत्साहित करने की अपील की।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मेले के उद्देश्यों एवं उपयोगिता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में पहली बार जिला स्तरीय सरस मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीण स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को उनके उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए सशक्त मंच उपलब्ध कराना और बेहतर बाजार से जोड़ना है।

मेले में अचार, पापड़, बड़ी, दीपक, जैविक खाद, पान से निर्मित मिठाइयां, बांस के हस्तशिल्प, गुलदस्ते, अगरबत्ती, जैविक सब्जियां, दाल एवं बेसन सहित विभिन्न स्थानीय और घरेलू उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों में उनके कौशल और नवाचार की झलक देखने को मिली। अतिथियों ने स्टॉलों का भ्रमण कर महिलाओं से उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता एवं विपणन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने उत्पादों की खरीदारी कर महिलाओं का उत्साहवर्धन भी किया।

दिव्यांग जनों व बच्चों के लिए निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण की सुविधा

सूरजपुर। दिव्यांग जनों के जीवन को सुगम बनाने, तथा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा पहल की गई है। इसी क्रम में समग्र शिक्षा जिला कार्यालय के तत्वावधान एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के सहयोग से दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क आकलन एवं मूल्यांकन शिविर रामानुजनगर एवं प्रेमनगर आयोजित किया गया। जहां कुल 66 बच्चों का चिन्हांकन किया गया, जिन्हें उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जायेगा। कलेक्टर एवं मिशन संचालक समग्र शिक्षा रेना जमील तथा जिला पंचायत सीईओ एवं जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का आकलन एवं मूल्यांकन किया गया। शिविर में एलिम्को संस्था के विशेषज्ञ डॉ. नजमुल फक्रीर तथा डॉ. सूरजपाल सिंह द्वारा बच्चों की शारीरिक एवं श्रवण संबंधी आवश्यकताओं का आकलन किया गया।

पटवारियों को हड़ताल समाप्त करने अल्टीमेटम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। सरगुजा संभाग में हड़ताल पर गए सभी 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा ने संबंधित पटवारियों को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सरगुजा संभाग के सभी 6 जिलों के अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके अनुविभाग में जो-जो पटवारी हड़ताल पर गए हैं उन्हें नोटिस जारी कर तत्काल अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने तथा संबंधित तहसीलदार के माध्यम से उसी दिन व्यक्तिगत लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि पर मुख्यालय में उपस्थिति नहीं देने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सूरजपुर जिले के 192, सरगुजा जिले के 216, कोरिया के 60, एमसीबी जिले के के 51, जशपुर जिले के 150 एवं बलरामपुर जिले के 150 पटवारियों को शो-काज नोटिस जारी किया गया है। बलरामपुर जिले में मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण 5 पटवारियों को निलंबित की कार्यवाही भी की गई है एवं सभी हड़ताल पर गए पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल अपने कार्य पर उपस्थित होकर शासकीय कार्य का संपादन करे। संभागायुक्त दुग्गा ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश के बिना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, फिजिकल वेरिफिकेशन, एग्रीस्टैक तथा आगामी धान खरीदी से संबंधित कृषक अभिलेखों का सत्यापन शामिल है। निवास प्रमाणपत्रों के लिए आवश्यक जांच प्रतिवेदन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों सहित अन्य जरूरी कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री साय की पहल से महिलाओं को मिला रोजगार, सरस्वती समूह कमा रहा 50 हजार रुपये महीना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में महिला स्व-सहायता समूहों को पूरक पोषण आहार रेडी-टू-ईट निर्माण का कार्य सौंपा गया है। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आय का अवसर मिल रहा है। रायगढ़ जिले के डूमरमुड़ा स्थित सरस्वती स्व-सहायता समूह की 10 महिलाएं रेडी-टू-ईट निर्माण से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। समूह को इस कार्य से हर महीने करीब 50 हजार रुपये तक का मुनाफा हो रहा है।

सरस्वती स्व-सहायता समूह की सदस्य चम्पा चौहान बताती हैं कि बिहान से जुड़ने के बाद आजीविका के अवसर मिले और अप्रैल 2026 से समूह को रेडी-टू-ईट



निर्माण का कार्य भी मिल गया। इससे नियमित रूप से काम करने और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर मिला है। वे बताती है कि हम सभी समूह की महिलाएं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार रेडी-टू-ईट का निर्माण करते है। सबसे पहले गेहूं, चना, सोयाबीन और अन्य सामग्री की मशीनों से सफाई की जाती है। इसके बाद भुनाई, पिसाई और छनाई की प्रक्रिया पूरी कर सामग्री को मिक्सिंग मशीन में मिलाया जाता है। निर्धारित समय तक मिश्रण तैयार होने के बाद उसकी पैकिंग की जाती है। आंगनबाड़ी केंद्रों से प्राप्त मांगपत्र के अनुसार समूह द्वारा तैयार पोषण आहार का वितरण किया जाता है।

चम्पा चौहान ने बताया कि रेडी-टू-ईट निर्माण और वितरण के काम से समूह को हर महीने करीब 50 हजार रुपये तक का मुनाफा हो रहा है। अब वे अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं आय अर्जित कर रही हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में योगदान दे रही हैं।गौरतलब है कि जिले में कुल 2,709 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं।

इन केंद्रों के लिए 10 महिला स्व-सहायता समूहों का चयन किया गया है। समूहों को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के अंतर्गत पूंजीगत सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। राज्य शासन की इस पहल से एक ओर महिला समूहों को आजीविका का अवसर मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों और महिलाओं को पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है।

सोंढूर नदी के तट पर मध्यप्रदेश के बाइकर्स ने लिया प्रकृति पर्यटन और कैंपिंग का रोमांचक अनुभव

चांदनी रात में नाइट ट्रेकिंग, बर्डवॉचिंग, नेचर वॉक और स्थानीय व्यंजनों का उठाया लुत्फ, ग्रामीण संस्कृति से भी हुए रूबरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और पर्यटन की विविध संभावनाएं अब दूसरे राज्यों के पर्यटकों को भी आकर्षित कर रही हैं। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश से आए बाइकर्स के एक समूह ने 28 अक्टूबर को घीकुड़िया गांव के समीप सोंढूर नदी के तट पर कैंपिंग कर प्रकृति पर्यटन (नेचर टूरिज्म) का अनूठा अनुभव प्राप्त किया। नदी का विस्तृत रेतीला तट, चांदनी रात, आसपास की हरियाली और प्राकृतिक परिवेश इस रोमांचक यात्रा के विशेष आकर्षण रहे।

निरई माता पर्यटन समिति के आयोजन में संपन्न इस गतिविधि की खास बात यह रही कि कैंपिंग की पूरी व्यवस्था स्थानीय युवाओं ने स्वयं संभाली। उन्होंने कैंप स्थल तैयार करने से लेकर टेंट लगाने, पर्यटकों की मेजबानी, भोजन और विभिन्न गतिविधियों के संचालन तक सक्रिय भागीदारी निभाई। इससे ग्रामीण युवाओं की संगठन क्षमता और स्थानीय स्तर पर पर्यटन आधारित आजीविका विकसित करने की संभावनाएं भी सामने आईं।

कैंपिंग के दौरान बाइकर्स ने सोंढूर नदी के रेतीले तट पर टेंट



लगाकर रात्रि विश्राम किया। स्थानीय देसी व्यंजनों का स्वाद लेने के साथ बर्डवॉचिंग, नेचर वॉक और प्रकृति अवलोकन जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। चांदनी रात में नदी के तट पर नाइट ट्रेकिंग ने इस यात्रा को यादगार बना दिया। खुले आसमान के नीचे आयोजित स्टोरीटेलिंग सेशन में प्रतिभागियों ने अपने यात्रा अनुभव और रोमांचक संस्मरण साझा किए।

इस दौरान समूह ने सरई बाबा के दर्शन एवं भ्रमण भी किया। घीकुड़िया गांव के ग्रामीणों से संवाद कर उनकी जीवनशैली, परंपराओं, खानपान और स्थानीय संस्कृति को भी करीब से जाना। इस तरह यह यात्रा केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रकृति और ग्रामीण जीवन के साथ जुड़ने का अवसर भी बनी।

सोंढूर नदी का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत तट, जैव विविधता और आसपास की सांस्कृतिक विरासत इसे रिवर साइड कैंपिंग, बाइकिंग टूरिज्म, बर्डवॉचिंग, नेचर वॉक और ग्रामीण पर्यटन के लिए संभावनाशील गंतव्य बनाते हैं। ऐसे आयोजनों से स्थानीय युवाओं को रोजगार, ग्रामीण उत्पादों एवं पारंपरिक व्यंजनों को बाजार और गांवों की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक मंच मिल सकता है। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी जिले में प्राकृतिक सौंदर्य, जल संसाधन, वन संपदा और समृद्ध जनजातीय एवं ग्रामीण संस्कृति के रूप में पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन स्थलों की पहचान, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और ग्रामीण युवाओं को पर्यटन गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास का उद्देश्य केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित करना और जिले की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए पहचान दिलाना भी है।















खास खबर

सूने मकान से चोरी करने वाले 4 गिरफ्तार, नकदी व ज्वेलरी जब्त

राजनांदगांव। घुमका थाना क्षेत्र के ग्राम टेमरी में सूने मकान में चोरी करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरी की रकम 25 हजार रुपए नकद सहित 50 हजार से अधिक की ज्वेलरी जब्त की गई है। घुमका पुलिस ने बताया कि टेमरी निवासी प्रार्थी देवशरण साहू 17 अक्टूबर की रात गांव में चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने गए थे। घर लौटे तो उनके मकान का ताला टूटा हुआ था। आलमारी में रखे नकद और सोने-चांदी के आभूषणों की चोरी कर ली गई थी। शिकायत के बाद घुमका पुलिस व साइबर सेल की टीम पतासाजी में जुटी हुई थी। तभी पुलिस को संदेहियों की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने संदिग्ध प्रकाश कुमार, तामेश्वर पटेल, लोकेश्वर साहू, और इमरान खान को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपियों ने अपराध कबूल किया।

गीले हाथ से मोटर पंप चालू किया, करंट से गई जान

कोरबा। बेंदरकोना गांव में नहाते समय गीले हाथ से मोटर पंप चालू करने पर करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बेंदरकोना गांव में शनिवार दोपहर हुई। गांव की मंजरी बाई कंवर (50) घर की बाड़ी में स्थित कुएं के पास नहाने गई थीं। इस दौरान उन्होंने मोटर पंप चालू किया। हाथ गीले होने के कारण वह करंट की चपेट में आकर झुलस गईं। घटना की जानकारी मिलने पर उन्हें गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

एप्पल स्टोर में चोरीः शटर तोड़कर 70 मोबाइल ले गए चोर, तलाश जारी

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित एप्पल स्टोर में दुकान का शटर तोड़कर करीब 70 मोबाइल चोरी कर लिए गए। रविवार सुबह 7:30 बजे दुकान मालिक को शटर टूटे होने और सामान गायब होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जोन) तारकेश्वर पटेल ने बताया कि, शुरुआती तौर पर 70 मोबाइल चोरी होने की जानकारी है। दुकान से चोरी हुए सामानों की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही चोरी करने वालों का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

शिवनाथ नदी में बहता मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

दुर्ग। दुर्ग की शिवनाथ नदी में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव बहता मिला। जिला अग्निशमन कार्यालय के अनुसार, जिला कंट्रोल रूम के माध्यम से शव मिलने की सूचना मिली थी। जवानों ने नदी के बहाव की दिशा में शव की तलाश शुरू की। एसडीआरएफ की टीम ने अज्ञात पुरुष के शव को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद पुलगांव थाना क्षेत्र की नगपुरा चौकी पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस अब शव की पहचान कराने और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई कर रही है।

मां ने मोबाइल छिपाया तो बेटी ने लगाई फांसी

टॉयलेट में फंदे पर झूली 9वीं की छात्रा, फोन को लेकर भाई से हुआ था झगड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मोबाइल को लेकर भाई से झगड़ा हुआ तो 17 साल की बहन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सानिया बानो 9वीं कक्षा में पढ़ती थी। 31 अक्टूबर की रात भाई से मोबाइल को लेकर झगड़ा हो गया। विवाद के बाद मां ने फोन छिपा दिया था। इससे नाराज होकर सानिया घर के टॉयलेट में चली गई।





काफी देर तक बाहर नहीं आने पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ा तो वह अंदर फंदे पर मिली। सूचना पर पहुंची दर्री पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मामला दर्री थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, अयोध्या पुरी के शरीफ कुरैशी की बेटी सानिया बानो (17) 9वीं कक्षा में पढ़ती थी। उसके पिता बकरे का कारोबार करते हैं। बताया जा रहा है कि 31 अक्टूबर की रात घर में मोबाइल को लेकर सानिया और उसके भाई के बीच कहासुनी हो गई थी।

विवाद बढ़ने पर मां ने मोबाइल छिपा दिया और कहा कि तुम लोग मोबाइल के चक्कर में लड़ते रहते हो, इसलिए किसी को मोबाइल नहीं दूंगी। इस बात से सानिया नाराज हो गई और टॉयलेट के अंदर चली गई। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर पिता ने टॉयलेट का दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा तोड़ा गया। वहां सानिया फंदे पर लटकी मिली। परिजन उसे तुरंत नीचे उतारकर अस्पताल ले जाने की तैयारी करने लगे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस कर रही मामले की जांच

घटना की सूचना मिलने पर दर्री पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी के मुताबिक, मर्ग कायम कर परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। मां का रो-रोकर बुरा हाल है। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि सानिया शांत स्वभाव की थी और पढ़ाई में ठीक थी। पुलिस ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जगदलपुर में कार सवार को रोककर जमकर पीटा, नाबालिग समेत तीन आरोपी पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर में कार से लौट रहे युवक को रास्ते में रोककर मारपीट करने और 5 हजार रुपए लूटने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, वारदात में शामिल एक नाबालिग को भी अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट की रकम में से 1 हजार रुपए बरामद किए हैं। मामला परपा थाना क्षेत्र के ग्राम पल्ली रोड, कांगोली का है।

पुलिस के मुताबिक, ग्राम राजुर, तोकापाल निवासी चुम्मन दास (34) ने थाना परपा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि 30 अक्टूबर 2026 को वह अपने निजी काम से कार लेकर तोकापाल गया था। वहां से लौटते समय वह ग्राम पल्ली रोड होते हुए धरमपुरा की ओर जा रहा था।

इसी दौरान 31 अक्टूबर की रात करीब 12:10 बजे ग्राम पल्ली रोड, कांगोली में एक डेली नीड्स दुकान के पास तीन लोगों ने उसकी कार रुकवा ली। आरोपियों ने उसे डराया-धमकाया और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसकी जेब में रखे करीब 5 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए।

पीड़ित की शिकायत पर परपा थाने में अपराध क्रमांक 277/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर और एसडीओपी लक्ष्मण पोटाई के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और पीड़ित से पूछताछ की। इसके साथ ही तकनीकी जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों का विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस के अनुसार, साक्ष्यों और आरोपियों के मेमोरेंडम कथन के आधार पर उनकी संलिप्तता सामने आई।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 1 नवंबर को प्रकाश सेकर (26), निवासी महावीर नगर, जगदलपुर और राजीव साहू (23), निवासी तेतरकुटी, जगदलपुर को गिरफ्तार कर लिया। वारदात में शामिल एक नाबालिग बालक को भी अभिरक्षा में लिया गया। आरोपियों के कब्जे से घटना से संबंधित 1 हजार रुपए जब्त किए गए हैं। दोनों आरोपियों को वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जबकि बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई की गई।

गोल बाजार में पकड़ी गई अवैध पटाखा फैक्ट्री

पटाखा दुकान का संचालक कर्मचारियों से बनवा रहा था, 2 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के गोल बाजार थाना क्षेत्र में घर के अंदर अवैध रूप से पटाखे बनाने का मामला सामने आया है। गणेश राम नगर में शिव शक्ति पटाखा दुकान के ऊपर बने आवासीय कमरे में दीपावली पर बिक्री के लिए पटाखे तैयार किए जा रहे थे।

सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने मौके पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान 5 कार्टन तैयार पटाखे, अधबने पटाखे और निर्माण में इस्तेमाल होने वाला एल्युमिनियम पाउडर जब्त किया गया। टीम ने पटाखे बनाने वाले कमरे को सील कर दिया है। मामले में दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, 1 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गणेश राम नगर स्थित शिव शक्ति पटाखा दुकान का संचालक दुकान के ऊपर बने कमरे में दूसरे लोगों से पटाखे तैयार करवा रहा है। सूचना के आधार पर एसडीएम कार्यालय, नगर निगम के जोनल कमिश्नर और पर्यावरण अधिकारी के कार्यालय की संयुक्त टीम ने मौके पर जांच की। यह कार्रवाई गोल बाजार थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णा साहू के नेतृत्व में की गई।



जांच में मिले 'टॉप टाइगर' नाम के पटाखे

जांच के दौरान कमरे में 'TOP TIGER' नाम के पटाखे बनते मिले। टीम ने तैयार पटाखों के साथ बोरियों और कार्टन में रखे अधबने पटाखे भी जब्त किए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, जब्त सामग्री में पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाला कम विस्फोटक श्रेणी का पदार्थ भी शामिल है।

76 और 57 साल के दो आरोपी गिरफ्तार

मामले में पुलिस ने श्याम लाल ठाकुर (76), निवासी गणेश राम नगर, वर्तमान पता गांधी नगर, अमलीडीह और दीपक ठाकुर (57), निवासी कालीनगर, पंडरी को आरोपी बनाया है।

दोनों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम, 1884 की धारा 9बी(1)(ए) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 288 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि घरों और रिहायशी इलाकों में अवैध रूप से पटाखे न बनाएं और न ही उनका भंडारण करें। ऐसी गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें।

करोड़ों का प्रतिबंधित गुटखा जब्त, टैक्स चोरी की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए कीमत का प्रतिबंधित गुटखा जब्त किया है। पुलिस ने मुखबिर से मिले इनपुट के बाद संबंधित ठिकानों पर छापा मारा। मौके से बड़ी मात्रा में गुटखा बरामद किया गया है।

गुटखा मिलने के बाद पुलिस ने इसकी सूचना राज्य और केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग को दी है। पुलिस अब पता लगा रही है कि इस कारोबार के पीछे कौन लोग हैं और गुटखे की सप्लाई कहां-कहां की जा रही थी। वहीं, गुटखे के भंडारण और परिवहन में टैक्स चोरी हुई है या नहीं, इसकी भी जांच की जाएगी। फिलहाल विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है। यह कार्रवाई खमतराई थाना क्षेत्र में की गई।



सितंबर में भी डीजीजीआई ने की थी छापेमारी

इससे पहले 26 सितंबर 2026 में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने रायपुर के शदाणी दरबार मार्केट स्थित एक गोदाम में छापा मारा था। महाराष्ट्र से मिले इनपुट के बाद तीन गाड़ियों में अधिकारी कारोबारी के ठिकाने पर पहुंचे थे।

टीम को गोदाम में 50 से ज्यादा बोरे सितार गुटखा मिले थे। अधिकारियों ने गुटखे के स्टॉक और दस्तावेजों की जांच की थी। गोदाम मालिक समेत कुछ लोगों को बुलाकर पूछताछ भी की गई थी। पूरी कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई थी।

डीजीजीआई सूत्रों के मुताबिक, सितंबर में जिस गोदाम में छापेमारी हुई थी, वह गुटखा कारोबारी बंटी का बताया गया था। उसके दुर्ग में भी एक पार्टनर होने की जानकारी सामने आई थी।

बताया गया था कि महाराष्ट्र के कल्याण के पास फैक्ट्री से गुटखा बनवाकर छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मुंबई और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में सप्लाई किया जा रहा है।

दुर्ग में भी पकड़ी गई थी गुटखा बनाने की फैक्ट्री

रायपुर की कार्रवाई से पहले दुर्ग जिले के कुम्हारी में सेंट्रल जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने एक फैक्ट्री में छापा मारा था। स्टेशन चौक इलाके में स्थित इस फैक्ट्री में सितार कंपनी का गुटखा बनाया जा रहा था।

कार्रवाई के दौरान टीम ने गुटखा बनाने वाली दो मशीनें और करीब 30 बोरे गुटखा जब्त किए थे।

कान दर्द का इलाज कराने पहुंची महिला, एंजियोप्लास्टी के बाद मौत, बेटी बोली - लापरवाही से गई जान

बिलासपुर। बिलासपुर के नेहरू नगर स्थित श्रीराम केयर हॉस्पिटल में रविवार को एक महिला की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। परिजनों का आरोप है कि महिला कान में दर्द का इलाज कराने अस्पताल पहुंची थी। जांच के बाद डॉक्टरों ने उनके हार्ट में ब्लॉकेज बताया। इसके बाद पहले एंजियोग्राफी और फिर एंजियोप्लास्टी की गई।

इलाज के बाद महिला की मौत हो गई। खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन और संबंधित डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही सिविल लाइन सीएसपी और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर स्थिति को



संभाला। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने इलाज में लापरवाही के आरोपों से इनकार किया है। फिलहाल, सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक, सुखम बाई साहू के कान में दर्द था। इलाज के लिए उन्हें श्रीराम केयर हॉस्पिटल लाया गया। यहां से उन्हें कोनी स्थित सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रेफर किया गया। वहां कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अभिषेक कुमार ने जांच के बाद हार्ट में ब्लॉकेज होने की बात कही। इसके बाद एंजियोग्राफी कर एंजियोप्लास्टी कराने की सलाह दी। परिजनों का कहना है कि सुखम बाई को वापस श्रीराम केयर हॉस्पिटल लाया गया, जहां डॉ. अभिषेक कुमार ने एंजियोप्लास्टी की। इसके बाद इलाज के दौरान सुखम बाई की मौत हो गई।

सुखम बाई की बेटी संगीता साहू ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि वे मां को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे थे, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। संगीता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी डॉक्टरों, अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अस्पताल का लाइसेंस निरस्त करने की भी मांग की है। फिलहाल, पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

प्रताड़ना से तंग पत्नी ने की खुदकुशी, पति गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। दहेज की लालसा और शराब की लत ने एक हंसती-खेलती जिंदगी को हमेशा के लिए खामोश कर दिया। मायके से पैसे लाने का दबाव बनाकर पत्नी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाले फरार आरोपी पति को जांजगीर पुलिस ने अकलतरा क्षेत्र से धर दबोचा है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था, जिसे पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर आखिरकार हिरासत में ले लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम बिरगहनी स्थित बंधवा तालाब के पार नीम के पेड़ पर एक अज्ञात महिला का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव की शिनाख्त कराई। मृतका की पहचान श्रद्धा पटेल के रूप में हुई। जब शव का पोस्टमार्टम कराया गया, तो मेडिकल रिपोर्ट में मौत का कारण फांसी से दम घुटना और प्रकृति आत्महत्या सामने आई। लगातार जारी इस शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर आहत मृतिका श्रद्धा पटेल गत 30 अप्रैल को बलौदा स्थित अपने किराये के मकान से कहीं चली गई थी। इसके अगले ही दिन यानी 1 मई 2026 को उसका शव ग्राम बिरगहनी के बंधवा तालाब के पास नीम के पेड़ पर फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी पति लव कुमार पटेल के खिलाफ धारा 80(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की। आरोपी अपनी निजी जरूरतों को पूरा करने और शराब पीने के लिए मृतिका पर लगातार मायके से पैसे लाने का दबाव बनाता था। पैसे न लाने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। पैसों की मांग के साथ-साथ आरोपी मृतिका के चरित्र पर भी बेवजह शक करता था और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था।



नागपुर की 2 महिला तस्कर गिरफ्तार, 98 हजार का गांजा बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में गांजा बेचने की फिराक में घूम रही महाराष्ट्र के नागपुर की दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों अहमद जी कॉलोनी में बाबर बंगला के पास इमली के पेड़ के नीचे गांजा लेकर ग्राहक तलाश रही थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया।

तलाशी में उनके थैले से 1.972 किलो गांजा मिला, जिसकी कीमत करीब 98 हजार 600 रुपए बताई गई है। यह कार्रवाई 1 नवंबर को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और



कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, टीम को सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के अहमद जी कॉलोनी में बाबर बंगला के पास दो महिलाएं गांजा लेकर बिक्री की फिराक में हैं। इसके बाद संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और बताए गए हुलिए के आधार पर दोनों महिलाओं की पहचान की। पुलिस ने उनसे पूछताछ करने की कोशिश की तो दोनों भागने लगीं। टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान रंजना उर्फ राजना पात्रे (60) और सीमा उर्फ नीलम पात्रे (45), निवासी नागपुर, महाराष्ट्र के रूप में हुई। उनके पास रखे थैले की तलाशी लेने पर गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, दोनों महिलाएं पहले भी चोरी के मामलों में जेल जा चुकी हैं। उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि दोनों को गांजा कहां से मिला था और रायपुर में किसे सप्लाई करने वाली थीं। इसके लिए गांजे के सप्लायर से लेकर संभावित खरीदारों तक की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस ने दोनों महिलाओं के कब्जे से 1.972 किलो गांजा जब्त कर उनके खिलाफ कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 415/26 दर्ज किया है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(क) के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस उनसे गांजे की खरीद, परिवहन और बिक्री के नेटवर्क को लेकर पूछताछ कर रही है।

घर लौट रहे बाइक सवार को बस ने मारी टक्कर, मौके पर ही गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

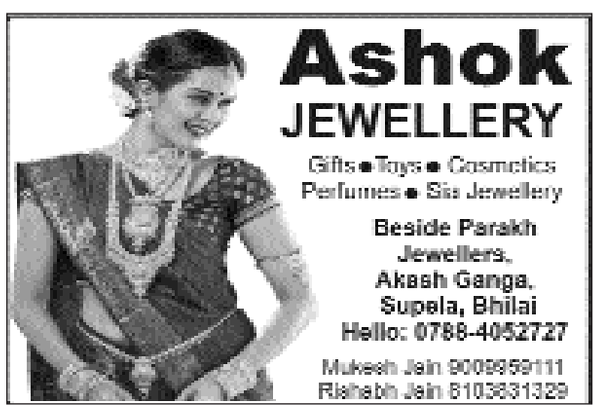
रायगढ़। घरघोड़ा से गांव लौट रहे बाइक सवार युवक को ग्राम चारभांठा के प्रतीक्षालय के पास पूर्णा गिरी बस ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक उछलकर सड़क पर दूर जा गिरा। सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आने से उसकी हालत नाजुक हो गई।

अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, ग्राम कोगनारा निवासी धर्मेन्द्र राठिया शनिवार को निजी काम से घरघोड़ा आया था।

रात करीब 8 बजे वह बाइक से वापस गांव लौट रहा था। चारभांठा के मुख्य मार्ग पर प्रतीक्षालय के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार पूर्णा गिरी बस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंचे परिजन और स्थानीय लोग उसे घरघोड़ा अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया।

मृतक के भाई की रिपोर्ट पर घरघोड़ा पुलिस ने बस चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।







खास खबर



छत्तीसगढ़ में मजदूरी संहिता लागू, भुगतान को मिला कानूनी आधार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मजदूरी से संबंधित नई कानूनी व्यवस्था लागू हो गई है। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने मजदूरी संहिता, 2019 के अंतर्गत मजदूरी संहिता (छत्तीसगढ़) नियम, 2026 की अंतिम अधिसूचना 28 अक्टूबर 2026 को राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित कर दी है। राजपत्र में प्रकाशन के साथ ही ये नियम प्रभावी हो गए हैं। नई नियमावली के माध्यम से राज्य में न्यूनतम वेतन एवं वेतन भुगतान से संबंधित व्यवस्थाओं को नए कानूनी ढांचे के अंतर्गत व्यवस्थित किया गया है। इसके साथ ही न्यूनतम वेतन (छत्तीसगढ़) नियम, 1958 तथा छत्तीसगढ़ वेतन भुगतान नियम, 1962 को प्रतिस्थापित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि श्रम विभाग ने इन नियमों का प्रारूप 13 अप्रैल 2026 को राजपत्र में प्रकाशित कर आम नागरिकों, श्रमिक संगठनों, नियोक्ताओं एवं संबंधित हितधारकों से 45 दिनों के भीतर आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए थे। प्राप्त सुझावों एवं आपत्तियों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम अधिसूचित किए गए हैं।

नई मजदूरी संहिता के अंतर्गत वेतन निर्धारण, न्यूनतम मजदूरी, वेतन भुगतान, बोनस तथा श्रमिकों से संबंधित अन्य वैधानिक प्रावधानों के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर पर नियम निर्धारित किए गए हैं।इस नई व्यवस्था से राज्य में श्रमिकों के वेतन संबंधी अधिकारों के संरक्षण तथा नियोक्ताओं की वैधानिक जिम्मेदारियों के अनुपालन को एक व्यवस्थित कानूनी आधार मिलेगा। नई मजदूरी संहिता का क्रियान्वयन श्रमिकों के वेतन अधिकारों का संरक्षण और पारदर्शी श्रम व्यवस्था की ओर महत्वपूर्ण कदम है।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग : संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 4-2 से हराकर मैनपाट टाइटंस बना चैंपियन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मैनपाट टाइटंस छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का पहला चैंपियंन बन गई है। मैनपाट टाइटंस और संस्कारधानी स्ट्राइकर्स के बीच रविवार को फाइनल मैच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उन्होंने विजेता टीमों और श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (सीएचएल) के उद्घाटन संस्करण के फाइनल में मैनपाट टाइटंस ने संस्कारधानी टाइटंस को 4-2 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। छत्तीसगढ़ सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस लीग में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी टीमों ने भाग लिया था।

मैनपाट टाइटन्स ने मैच की तेज शुरुआत की और शुरुआती मिनटों में



कुछ मूव बनाए। उन्होंने शुरुआत में ही सर्कल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया, जो किसी भी टीम के लिए हमेशा एक अच्छा संकेत होता है। लेकिन काउंटर पर शाहरुख ने एक मौका दिया, जहां उनके शॉट को डिफेंडर ने रोक दिया।

मैनपाट टाइटन्स ने तीसरे क्वार्टर में रुख बदलने की कोशिश की, जब संदीप ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-1 कर दिया, लेकिन उनकी बढ़त देर तक नहीं रही। स्ट्राइकर्स ने भी पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। अंतिम समय में मैनपाट ने बेहतर टीमवर्क से दो गोल और दागे तथा स्कोर 4-2 कर लीग का पहला चैंपियंन बनने में कामयाब रही।

लीग में कुल 21 लाख रुपए की पुरस्कार राशि बांटी गई। विजेता टीम मैनपाट टाइटंस को 11 लाख रुपए और उप विजेता संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को 6 लाख रुपए मिले। शाहरुख अली को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, आशीष तानी पूर्ति (13 गोल) को लीग का टॉप स्कोरर और हिमांशु को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री साय को लिखा खत

किसान कल्याण, महिला सशक्तिकरण, जनजातीय उत्थान और अधोसंरचना विस्तार से विकास को मिली नई रफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेषित आत्मीय पत्र एवं स्नेहपूर्ण शुभकामनाओं के लिए प्रदेश के तीन करोड़ नागरिकों की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री का आत्मीय पत्र छत्तीसगढ़ की माटी, यहाँ की श्रमशील जनता और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके गहरे जुड़ाव का परिचायक है। प्रधानमंत्री का स्नेह, विश्वास और मार्गदर्शन प्रदेश को समृद्ध, सशक्त एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की नई ऊर्जा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को प्रेषित अपने आभार पत्र में कहा कि अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से लेकर सरगुजा के वनांचलों और बस्तर के सुदूर अंचलों तक की अपनी यात्राओं एवं अनुभवों का प्रधानमंत्री ने जिस आत्मीयता से स्मरण किया है, वह प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के हृदय को स्पर्श करता है। गत वर्ष राज्य की रजत जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा नवीन विधानसभा भवन का लोकार्पण छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की अविस्मरणीय उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर प्रदेशवासियों की दशकों पुरानी आकांक्षाओं को साकार किया था। उनके स्वप्न को प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में साकार करने की दिशा में आगे बढ़ना राज्य सरकार के लिए सौभाग्य और महत्वपूर्ण दायित्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता और बस्तर में आए सकारात्मक परिवर्तन का विशेष उल्लेख किया है। यह उपलब्धि स्वयं उनके दृढ़ संकल्प, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और स्थानीय जनता के सहयोग का प्रतिफल है। कभी नक्सल हिंसा के लिए पहचाना जाने वाला बस्तर आज शांति, विश्वास और विकास की नई पहचान गढ़ रहा है।

'नियद नेल्लानार' योजना के माध्यम से दूरस्थ गाँवों तक सड़क, बिजली, पेयजल, संचार और स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँच रही हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय अंचलों में विकास को नई गति मिली है। बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन जनजातीय युवाओं की प्रतिभा और आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कर रहे हैं।

प्रदेश के 25 लाख से अधिक धान उत्पादक किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री धनधान्य कृषि योजना से किसानों को आर्थिक संबल मिला है।

श्री साय ने कहा कि प्रदेश के लगभग 73 लाख जरूरतमंद परिवारों को नि:शुल्क राशन दिया जा रहा है और 22 लाख से अधिक परिवारों को पक्के आवास मिल चुके हैं। 41 लाख से अधिक ग्रामीण घरों तक नल जल पहुंचा है। 40 लाख परिवारों को रसोई गैस कनेक्शन मिले हैं। करीब ढाई करोड़ आयुष्मान कार्डों के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा व्यापक हुआ है। 68 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर-बिलासपुर फोरलेन से यात्रा सुगम हुई है। रायपुर-विशाखापत्तनम और रांची-धनबाद जैसी सड़क परियोजनाएँ विकास की नई संभावनाएँ खोल रही हैं।

प्रदेश में 51 हजार करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाओं, वंदे भारत एवं अमृत भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाओं तथा चार हवाई अड्डों के नेटवर्क से आवागमन, निवेश और रोजगार के अवसरों का विस्तार हो रहा है।

श्री साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल, माता शबरी की पावन भूमि और संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा की जन्मभूमि राज्य की अमूल्य धरोहर है। कबीरपंथ की समतामूलक परंपरा, पद्म विभूषण तीजन बाई की पंडवानी तथा यहाँ की लोककलाओं और जनजातीय संस्कृति को सहेजते हुए प्रदेश आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग पूरे देश के लिए रोल मॉडल, हॉकी देश का गौरव : डॉ. मांडविया



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों सहित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर केन्द्रीय युवा एवं खेल मामलों के मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आयोजन पूरे देश के लिए रोल मॉडल है। सरकार में दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो ऐसे सफल आयोजन संभव हैं। ऐसे आयोजनों से खेलों के विकास के साथ ही अच्छे खिलाड़ियों का निर्माण होता है, जो खेलों की प्रगति के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हॉकी का खेल देश का गौरव है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे गांवों, जनजातीय अंचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अपार खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। सरकार उन्हें उचित अवसर, आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग ने प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों को खेल के माध्यम से एक सूत्र में पिरोने का सराहनीय कार्य किया है। प्रतियोगिता में छह टीमों—राजधानी रॉयल्स, न्यायधानी नाइट्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, बैलाडीला बुल्स और मैनपाट टाइटंस ने भाग लिया। इन छह टीमों की सहभागिता ने इस आयोजन को पूरे छत्तीसगढ़ का खेल उत्सव बना दिया।

सेवा-समर्पण की अद्भुत मिसाल है संजीवनी अस्पताल : साय

- 45 हजार बच्चों की सफल सर्जरी की ऐतिहासिक उपलब्धि पर दी बधाई
- केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया भी हुए कार्यक्रम में शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

नसिंग कालेज एवं जनजातीय हॉस्टल के लिए भूमिपूजन



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल ने इस भावना को अपने सेवा कार्यों के माध्यम से साकार किया है। अस्पताल ने 45 हजार बच्चों की सफल शल्य चिकित्सा का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया है। इस संस्थान ने हजारों मासूम बच्चों को नया जीवन देने के साथ उनके परिवारों के जीवन में आशा, विश्वास और खुशियां लौटाई हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में जनजातीय विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज भवन तथा डॉरमेटरी के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय विद्यार्थियों के लिए नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की पहल को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश के जनजातीय अंचलों के युवाओं, विशेषकर बेटियों को स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे। गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा के माध्यम से युवा आत्मनिर्भर बन सकेंगे और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य निर्मित कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्यकर्मियों की आवश्यकता भी लगातार बढ़ रही है। प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज स्वास्थ्य शिक्षा के विस्तार के साथ प्रदेश में कुशल मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर गरीब, वंचित और दूरस्थ अंचलों में निवासरत परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले। शासन के प्रयासों के साथ श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल जैसी सेवाभावी संस्थाओं की सहभागिता इस संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करती है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल द्वारा बच्चों के नि:शुल्क उपचार एवं मानव सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने 45 हजार बच्चों की शल्य चिकित्सा की महत्वपूर्ण उपलब्धि पर संस्थान की पूरी टीम को बधाई दी।

कार्यक्रम में श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के पदाधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।



वायु सेना की सारंग टीम का प्रदर्शन टीम भावना, अनुशासन और परस्पर विश्वास की द्योतक: साय

- सारंग के कॉकपिट से गूंजा 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' का नारा

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर आज नवा रायपुर का आसमान भारतीय वायु सेना के अदम्य शौर्य, साहस, अनुशासन और अद्भुत उड़ान कौशल का साक्षी बना। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर के सेंध लेक में आयोजित भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम के रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन की फुल ड्रेस रिहर्सल में शामिल हुए।

इस अवसर पर भारतीय वायु सेना की आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम, गरुड़ कमांडोज और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के जाँबाजों ने अपने साहसिक करतबों, सटीक नियंत्रण और बेहतरीन तालमेल से उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। आसमान में तिरंगे की मनमोहक छटा, हेलीकॉप्टरों की आकर्षक फॉर्मेशन और 'वंदे मातरम' की गूंज ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय वायु सेना के जाँबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग टीम का यह आयोजन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है। हमारे वायु वीरों ने जिस साहस, अनुशासन, आत्मविश्वास और सटीक समन्वय के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया है, वह प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल रोमांचकारी हवाई करतबों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट क्षमता, कठिन प्रशिक्षण, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का जीवंत परिचय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ इसी प्रकार निरंतर विकास, प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहे। राज्य स्थापना दिवस की खुशियों के बीच भारतीय वायु सेना के जाँबाजों का यह अद्भुत प्रदर्शन प्रदेशवासियों के उत्साह और गौरव को और अधिक बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सारंग का अर्थ मोर होता है। जिस प्रकार मोर हमारे देश की विशिष्ट पहचान और सुंदरता का प्रतीक है, उसी प्रकार सारंग टीम भारतीय वायु सेना की गरिमा, उत्कृष्ट कौशल और अनुशासन का प्रतीक है। राज्य स्थापना की खुशियों के साथ भारतीय वायु सेना का शौर्य, अनुशासन और



अदम्य साहस भी जुड़ गया है। नवा रायपुर का आसमान हमारे वायु वीरों के अद्भुत हुनर, साहस और आपसी तालमेल का गवाह बन रहा है। हवाई प्रदर्शन के दौरान हेलीकॉप्टरों की विभिन्न फॉर्मेशन और साहसिक करतब हमें भले ही सहज और सुंदर दिखाई देते हों, लेकिन इनके पीछे विस्तृत योजना, निरंतर अभ्यास, गहरी एकाग्रता और असाधारण समन्वय होता है।

राज्योत्सव के शिल्पग्राम में चल गया झारा आर्ट का जादू

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा राज्योत्सव मैदान नवा रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए गए हैं। इसी क्रम में शिल्पग्राम जोन में प्रदेश की पारंपरिक हस्तशिल्प कलाओं और हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं।

शिल्प ग्राम में झारा आर्ट की कलाकृतियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। लॉस्ट वैक्स तकनीक से तैयार बेहतरीन पारंपरिक शिल्प की मूर्तियां, सजावटी वस्तुएं और लोक आकृतियां लोगों को खूब पसंद आ रही हैं। शिल्पग्राम में सारंगढ़ जिले के ग्राम कांदुरपाली से आए युवा शिल्पकार प्रदीप झरेका सारबिला झारा आर्ट की कलाकृतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

उनकी छिंद पेड़ की कलाकृति दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस कलाकृति के माध्यम से उन्होंने जनजातीय जीवन और संस्कृति में छिंद पेड़ के महत्व को उकेरने का बेहतरीन प्रयास किया है। इसमें छिंद पेड़ से रस एकत्रित करने की पारंपरिक प्रक्रिया को भी बारीकी से दर्शाया गया है। श्री झरेका ने बताया कि राज्योत्सव जैसे आयोजनों से स्थानीय शिल्पकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने और नए लोगों तक पहुंचने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि झारा आर्ट के प्रति लोगों में काफी उत्साह है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की पारंपरिक कला एवं शिल्प को प्रोत्साहित करने और शिल्पकारों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने की दिशा में शिल्पग्राम एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभर रहा है, जहां प्रदेश के विभिन्न अंचलों की लोककला, परंपरा और शिल्प कौशल को एक साथ देखा जा सकता है।

शिल्पग्राम में बस्तर अंचल की युवा महिला शिल्पकार भी अपनी विशिष्ट कलाकृतियों के साथ मौजूद हैं।

उनकी कृतियों में बस्तर की परंपरा, प्रकृति और जनजातीय जीवन की झलक दिखाई देती है। प्राकृतिक प्रतीकों और वन्य जीवों की आकृतियों के माध्यम से उन्होंने जनजातीय संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण का संदेश प्रस्तुत किया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950